हिन्दी दैनिक

मेरी ज़ुबान

Epaper : merijuban.com

मेरी ज़ुबान आपकी अवाज़

page 3 उनके सपनों को पूरा कर रही मोदी सरकार:सीएम

page 5 बारिश में टूट रहे हैं आईब्रो के बाल तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

page 6 सीरीज बचाने उतरेगा इंग्लैंड

वर्ष :01 अंक : 36 | लखीमरु खीरी, शुक्रवार 07 जुलाई 2023 | पृष्ठ 08 | मूल्य 5.00 रूपया- | ऑफर मूल्य 3.00 रूपया

यूपी में सड़कों पर नमाज अब बीती बात, धर्मस्थलों के लाउडस्पीकर भी हटे: मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में अब सड़कों पर नमाज नहीं होती है। आवागमन होता है। प्रदेश में अब कानून का राज स्थापित हो चुका है।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भारत को पूरी दुनिया में सम्मान की दृष्टि से देखा जा रहा है। पहले यूपी को कठिनाई वाला प्रदेश माना जाता था। आज यूपी के प्रति लोगों की धारणा बदली है। ये ग्रोथ इंजन बनकर सामने आया है। प्रदेश में अब दंगे नहीं होते हैं। संगठित अपराध समाप्त हो चुका है। आतंकी घटनाएं नहीं होती हैं। धर्म स्थल से शांतिपूर्ण तरीके से लाउडस्पीकर हट गए। अब सड़क पर नमाज या हनुमान चालीसा नहीं होती केवल आवागमन होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को लोकभवन में पुलिस विभाग में नवचयनित कर्मियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में पहले पर्व दहशत का सबब थे कि न जाने क्या हो जाएगा। यूपी की कानून व्यवस्था अब सबके लिए नजीर बन चुकी है। उन्होंने कहा कि लिपिक संवर्ग में बड़ी संख्या में महिलाओं का आना अच्छा संकेत है। इस संवर्ग में महिलाओं की अहम भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान पूरे देश में चल रहा है। पुलिस विभाग में 22000 महिलाओं को छह वर्ष में भर्ती किया गया है। उन्होंने बताया कि 2017 में पुलिस भर्ती पर अदालतों ने रोक लगा रखी थी। भाजपा सरकार अब तक 5.50 लाख सरकारी नौकरियां दे चुकी है, किसी भी नियुक्ति पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं लगा सकता है। आज जिन 35 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र दिए, उनके चेहरे की चमक बता रही कि उनका चयन मेहनत के बल पर हुआ है। पांच साल बाद 36 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिलना परिवर्तन को दशार्ता है। आज यूपी में सुरक्षा का माहौल है। इसे बरकरार रखना है।

पीएम ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 122वीं जयंती पर बृहस्पतिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके आदर्श व सिद्धांत हर पीढ़ी को प्रेरणा देते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, महान राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद् और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। एक सशक्त भारतवर्ष के निर्माण के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके आदर्श और सिद्धांत देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करते रहेंगे। वर्ष 1901 में तत्कालीन कलकत्ता (कोलकाता) में पैदा हुए मुखर्जी स्वतंत्र भारत के पहले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया था। उन्होंने ही कश्मीर को लेकर "नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान" का नारा भी दिया था। लगातार दूसरी बार केंद्र में सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया। मुखर्जी ने 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी, जो बाद में भारतीय जनता पार्टी बनी।

जिगनियां में पंचायत भवन पड़ा अधूरा, ग्रामीणों को असुविधा

एक साल पहले भवन निर्माण हुआ था प्रारंभ

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। ब्लाक नकहा की ग्राम पंचायत जिगनियां में निमार्णाधीन पंचायत भवन का कार्य अधूरा पड़ा है। एक साल पहले निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, लेकिन दीवारे खड़ी करने के बाद काम बंद हो गया, जिसके बाद दोबारा काम शुरू नहीं हो पाया है। इससे ग्रामीणों को पंचायत भवन से मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। वहीं पंचायत भवन के निर्माण के लिए मिली धनराशि का बंदरबांट किए जाने की सुगबुगाहट ग्रामीणों के बीच हो रही है। बता दें कि प्रत्येक ग्राम पंचायत के पंचायत भवनों को मिनी सचिवालय की तर्ज पर संचालित किया जाना है, जिसके लिए पंचायत सहायकों की भर्ती एक साल पहले ही की जा चुकी है। पंचायत भवन के माध्यम से ग्रामीणों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं, लेकिन इस महत्वपूर्ण योजना को लेकर अफसर लापरवाह बने हुए हैं। बताते चलें कि बेहजम ब्लॉक की ग्राम पंचायत गुलचौरा में ऐसा ही मामला सामने आया था, जहां पूर्व प्रधान, सचिव और जेई ने मिलकर पंचायत भवन की धनराशि हड़प ली थी। ऐसे ही कुछ ग्राम पंचायतों में मामले पाए गए हैं, जिनमें विभिन्न कारणों से पंचायत भवन का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है। इसी कड़ी में ताजा मामला नकहा ब्लॉक की ग्राम पंचायत जिगनियां का सामने आया है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि इस पंचायत भवन का एस्टीमेट करीब 20 लाख रुपए है, जिसमें करीब छह लाख रुपये निकाला जा चुका है। पंचायत भवन में लगी खिड़कियों के ग्रिल जंग खा रहे हैं, लेकिन निर्माण कार्य बंद है। कई महीने से अधबने पंचायत भवन को लेकर ग्रामीणों में चचाओं का बाजार गर्म है कि जिस ठेकेदार से काम कराया जा रहा था, उसने चूना लगा दिया। तो वहीं पंचायत सचिव और प्रधान भी सवालों के घेरे में हैं कि आखिर निर्माण कार्य कई महीने से बंद क्यों है। पंचायत भवन का निर्माण कब तक पूरा हो सकेगा। पंचायत सचिव उत्तम बंसवार से उनके फोन पर संपर्क किया गया, लेकिन उधर से कोई जवाब नहीं मिला।

लगातार चोरी की घटनाओं से ग्रामीणो में दहशत

बिना मुकदमा दर्ज किए घटना का खुलासा करने का पुलिस का आश्वासन

लखीमपुर-खीरी। फरधान थाना क्षेत्र में ताबड़तोड़ हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस घटनाओं का खुलासा करने के बजाय उनको दबाने में जुटी है। प्राप्त सुचना के अनुसार 30 अप्रैल की रात्रि गनेशपुर निवासी शम्भारी पुत्र राम दयाल के घर छत से चोर घुसकर बर्तन, अनाज, कपड़ों सहित लाखों की चोरी की घटना को अंजाम दिया। 1 मई की रात्रि निबहा गांव निवासी पूर्व प्रधान बंटू के घर चोर घुसे घर वालों के जग जाने पर चोर चोरी की घटना को अंजाम नहीं दे सके। इसी रात्रि चोर सियाराम पुत्र प्यारे लाल के घर में घुसकर हजारों की चोरी कर ली। इसके बाद चोर पास के ही रहने वाले राममूर्ति के घर सेध लगाकर बर्तन, कपड़े, राशन, जेवर सहित लाखों का माल पार कर दिया। इतना ही नहीं इन घटनाओं को अंजाम देने के बाद चोर मैनुद्दीन पुत्र नसरुद्दीन के घर घुस गए। अंबुपुर निवासी भगवंत प्रसाद के घर पीछे की दीवार काट कर दो बहुओं का जेवर कपड़े, बर्तन 40 हजार रुपए नकद चोरी कर लिया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है अभी तक मुकदमा नहीं लिखा गया है। पुलिस अभी तक घटनाओं का खुलासा नहीं कर सकी है। मात्र खुलासा की दिलाशा ही पीड़ितों को दी जा रही है। इसके अलावा नकहा पिपरी निवासी रणवीर सिंह के घर 12000 नगद और पांच मोबाईल चोरी हुए थे। इसी रात्रि विजय पाल के घर करीब 14000 रू नगदी और बर्तन कपड़े चोरों ने पार किये , राजेश कुमार के घर को उसी रात्रि चोरों ने शिकार बनाया था । इसके बाद कोरारा गांव में एक ही रात्रि रमेश वर्मा के घर 1 लाख की चोरी के साथ ही राजा राम पुत्र स्वामी दयाल होमगार्ड , जसकरन लाल और गंगा राम के घर चोरों ने हांथ साफ किया है पुलिस ने अभी तक एक भी घटना का खुलासा नहीं किया है ।

उक्त खबर के संबंध में बात करने पर थाना अध्यक्ष अनिल कुमार सैनी का कहना है शीघ्र ही सभी घटनाओं का खुलासा किया जायेगा।

30 अप्रैल से हो चुकीं एक दर्जन से अधिक चोरी की घटनाओ का अभी तक खुलासा नही ?

1- 30 अप्रैल को गणेशपुर सम्बारी के घर लाखो की चोरी

2- 1 मई निबहा के पूर्व प्रधान बंटू के घर चोर घुसे लेकिन चोरी नही कर पाये।

3- इसी रात सियाराम के घर हजारे की चोरी तथा राममूर्ति के घर सेंध लगाकर लाखो की चोरी इसके बाद मैनुददीन के घर घुसे लेकिन चोरी नही कर पाये।

4- अंबापुर निवासी भागवत प्रसाद के घर दीवार फांद कर लगभग 40 हजार की चोरी।

5- नकहा पिपरी रणवीर सिंह घर 12000 नगद और पांच मोबाईल चोरी।

6- इसी रात विजय पाल के घर करीब 14000 नकदी और बर्तन आदि हजारों की चोरी। तथा इसी रात राजेश कुमार के घर चोरो ने निशाना बनाया।

7- कोरारा गांव में एक ही रात्रि में रमेश वर्मा, राजाराम पुत्र स्वामी दयाल होमगार्ड, जसकरन लाल, गंगा राम के घरो की चोरो ने निशाना बनाकर लाखों पर हाथ साफ किया।

नेपाल बॉर्डर के तिकुनिया में जिला कृषि अधिकारी ने मारा छापा

तीन दुकानें बंद कर भागे दुकानदार, नोटिस जारी

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बृहस्पतिवार को नेपाल बार्डर पर स्थित कस्बा तिकुनिया में खाद दुकानों पर छापे मारे। कृषि अधिकारी की इस कार्रवाई से दुकानदारां में हड़कंप मच गया। तीन खाद की दुकानों को बंद करके दुकानदार भाग गए, जिससे जिला कृषि अधिकारी ने तीनों दुकानदारों को नोटिस जारी किया है। नेपाल बार्डर पर खाद की तस्करी की शिकायतें मिलने पर जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने आठ दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता, उचित मूल्य, उर्वरकों की बिक्री और उर्वरकों के साथ अन्य उर्वरक जैसे जिंक, माइक्रोन्यूट्रिएंट की टैगिंग की गहन जांच की। पीओएस मशीन में उपलब्ध उर्वरकों का स्थलीय सत्यापन भी किया गया। निरीक्षण के समय तीन विक्रेताओं द्वारा दुकान बंद कर दिए जाने के कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान खाद भंडार, शिवम् फर्टिलाइजर और गौरी इंटरप्राइजेज तिकुनियां को नोटिस

खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध: डीएओ

जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि जनपद में खरीफ सीजन की फसलों की बुआई चल रही है, जिसके लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आवश्यकतानुसार पीओएस मशीन के माध्यम से आधार कार्ड से प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में 29377 मीट्रिक टन यूरिया, 10324 मीट्रिक टन डीएपी, 244 मीट्रिक टन पोटाश, 12360 मीट्रिक टन एनपीके, 16627 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट, 27 मीट्रिक टन कंपोस्ट उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 2683 मीट्रिक टन यूरिया कृभको ब्रांड, 1336 मीट्रिक टन यूरिया किसान ब्रांड, 913 मीट्रिक टन यूरिया चांद छाप की रैक एक-दो दिन में प्राप्त होनी है। इससे जनपद के सभी सहकारी समितियों व प्राइवेट दुकानों पर खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि यदि कोई उर्वरक विक्रेता बोरे पर अंकित मूल्य से अधिक मूल्य लेता है, तो उसकी शिकायत उनके कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 7289036484 पर दर्ज करा सकते हैं।

सीएम ने पेशाब घटना के पीड़ित युवक के धोए पैर, मांगी माफी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पेशाब घटना के पीड़ित युवक के बृहस्पतिवार को पैर धोए और उससे माफी मांगी। चौहान ने कहा कि वह इस घटना से दुखी हैं। उन्होंने भोपाल में मुख्यमंत्री आवास पर फर्श पर बैठकर आदिवासी युवक दशमत रावत के पैर धोए। उन्होंने युवक को सुदामा बुलाया और कहा, दशमत, अब तुम मेरे मित्र हो। एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान चौहान ने उसके साथ विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की, खासकर यह जानने के लिए कि विभिन्न कल्या णकारी योजनाओं का लाभ उस तक पहुंच रहा है या नहीं। इससे पहले मुख्यमंत्री और आदिवासी युवक ने मिलकर यहां स्मार्ट सिटी पार्क में पौधारोपण किया। सीधी जिले में आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब करने के आरोपी प्रवेश शुक्ला को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया था।

सावन माह के हर सोमवार को बंद रहेंगे गोला में स्कूल

कक्षा एक से आठ तक के सरकारी और प्राइवेट विद्यालयों में प्रत्येक सोमवार को रहेगा अवकाश - बीएसए

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर खीरी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि सावन जुलाई से शुरू गया हैं। इस दौरान प्रत्येक सोमवार को गोला क्षेत्र के कक्षा एक से आठ तक के सभी सरकारी और प्राइवेट विद्यालय बंद रहेंगें। कावंड़ यात्रा के चलते वैसे तो सावन माह भर, लेकिन सोमवार को शहर में बड़ी संख्या में शिव भक्तों का आना-जाना होता है। इससे सड़कों पर भीड़ भाड़ रहने से आवागमन प्रभावित होता है। ऐसे में स्कूल आने-जाने में विद्यार्थियों को काफी असुविधा होती है। छात्र-छात्राओं को इस दौरान होने वाली असुविधाओं से बचाने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने गोला नगर क्षेत्र के कक्षा एक से आठ तक के सभी सरकारी और प्राइवेट विद्यालय बंद रखने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि 10, 17, 24 और 31 जुलाई, 7, 14, 21 और 28 अगस्त को विद्यालयों में अवकाश रहेगा।

खड़गे और राहुल ने राजस्थान के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ की बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने और रणनीति बनाने के लिए बृहस्पतिवार को पार्टी की प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच के विवाद को सुलझाने के प्रयास के तौर पर भी देखा जा रहा है। खड़गे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी वाली इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, पायलट, पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और कई अन्य कांग्रेस नेता शामिल थे। मुख्यमंत्री गहलोत पैर में चोट के कारण जयपुर से ही इस बैठक में ऑनलाइन जुड़े।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मिल रही सबसे अच्छी शिक्षा:केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार बनने के आठ साल बाद पूरी दुनिया के अंदर सबसे अच्छी शिक्षा दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मिल रही है। केजरीवाल ने दिल्ली रोबोटिक्स लीग और एचई-21 प्रदर्शनी के उद्घाटन से पहले आज कहा कि पूरे देश में शायद पहली बार दिल्ली में स्कूल स्तर पर रोबोटिक्स के क्षेत्र में कंपटिशन करने के बाद राज्य स्तर पर प्रतियोगिता किया जा रहा है। इस तरह की उच्च स्तर की प्रतियोगिता देश में कहीं नहीं की गई। इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा दिल्ली सरकार के स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सिलेंस (एसओएसई) के स्कूल हैं। आप की सरकार बनने के आठ साल बाद पूरी दुनिया के अंदर सबसे अच्छी शिक्षा आज हमारे दिल्ली के सरकारी स्कूलों में मिल रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों ने बहुत ही शानदार प्रोडक्ट बनाए हैं। हमारे समय में 11वीं क्लास में हम इस तरह के प्रोडक्ट बनाने के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। बच्चों द्वारा बनाए गए एक प्रोडक्ट में किसान को अपनी जमीन में कितनी सिंचाई करनी है, उसके बारे में बताया गया है। किसान कई बार ज्यादा पानी डाल देता है, उससे फसल भी खराब हो जाती है। कम पानी डालता है, वो भी ठीक नहीं है। बच्चों ने अपने इस प्रोडक्ट में मिट्टी के अंदर जगह-जगह सेंसर लगाए हुए हैं। मिट्टी को जितनी आर्द्रता चाहिए, उतना ही पानी फसल को देते हैं। यह बहुत अच्छी चीज है। अगर इसे बड़े पैमान पर बढावा दिया जाए तो हमारे देश में खेती के क्षेत्र में बहुत बड़ा आंदोलन आ सकता है। मुख्यमंत्री ने लीग में भाग लेने वाली रोबोटिक्स टीमों की प्रतियोगिताएं भी देखी और बच्चों का हौसला बढ़ाया। सबसे पहले टीम भावना से खेलने के लिए सभी को शपथ दिलाई गई। लीग की पहली प्रतियोगिता को देखने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ग्राउंड में गए। उन्होंने दोनों टीमों के सदस्यों से मिलकर बात की और उनको शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि यह दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित की जाने वाली अपनी तरह की अनूठी प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्रों को रोबोटिक्स में अपने कौशल को विकसित करने और प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, जो 21वीं सदी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रोबोटिक्स में अपनी भागीदारी के माध्यम से छात्र क्रिटिकल थिंकिंग, प्रॉब्लम सोल्विंग स्किल्स के साथ टीम में काम करना भी सीख रहे है।

सावन माह के चलते सीएचसी और पीएचसी का सीएमओ ने किया निरीक्षण

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। सावन माह के चलते छोटी काशी में पहुंचने वाले हजारों-लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के उद्देश्य से की गई तैयारियों का जायजा लेने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने सीएचसी गोला व पीएचसी सुहेला, पीएचसी झाऊपुर सहित सीएचसी फरधान का गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अनुपस्थित मिले अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि सावन मास में हजारों-लाखों श्रद्धालु, शिवभक्त छोटीकाशी गोला पहुंचते हैं। इसे लेकर कांवरियों और शिव भक्तों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारियों को पहले ही निर्देशित किया जा चुका है कि वह हर तरह से तैयार रहें। इसी के साथ सीएचसी व पीएचसी को विशेष रूप से तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं, जो गोला गोकरननाथ छोटी काशी शिव भक्तों और कांवरियों के पहुंचने के प्रमुख रास्तों में आती हैं। इसी के दृष्टिगत उन्होंने सीएचसी गोला व पीएचसी सुहेला, पीएचसी झाऊपुर और सीएचसी फरधान का निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों के दृष्टिगत दिए गए निदेशों की समीक्षा की। गोला मंदिर में लगाई गई टीम मौके पर मिली, एंबुलेंस भी मिली। साथ ही अधीक्षक और सुपरवाइजर को माह में एक बार पीएचसी का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएचसी गोला के एक्स-रे टेक्नीशियन का तबादला हो गया है। जिसके चलते वैकल्पिक व्यवस्था करने और जब तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होती है तब तक उन्हें रिलीव न करने के निर्देश दिए।

यह अधिकारी और कर्मचारी मिले अनुपस्थित, जारी हुआ कारण बताओ नोटिस

सीएचसी गोला में मेडिकल ऑफिसर शंकर दयाल 3, 4, 5 और 6 जुलाई को अनुपस्थित मिले, पीएचसी सुहेला में फार्मासिस्ट कमलेश वर्मा 3 जुलाई से लगातार अनुपस्थित मिले। वहीं पीएचसी झाऊपुर में एमओसीएच अनूप कुमार और लैब असिस्टेंट अरविंद और वार्ड बॉय संजय कुमार अनुपस्थित मिले। सीएचसी फरधान में एनएमएस राम विनय 5 और 6 जुलाई को अनुपस्थित थे। एलएचबी पुष्पा वर्मा 1 जुलाई से अनुपस्थित मिली। इसी के साथ कम्प्यूटर ऑपरेटर निधी, ऑप्टोमेट्रिस्ट आमिर हयात, स्टाफ नर्स कनक तिवारी भी अनुपस्थित मिली। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

घाघरा नदी के कटान को लेकर प्रशासन अलर्ट

नदी किनारे स्थित गांवों को कटान से बचाने के लिए युद्ध स्तर पर की फ्लड फाइटिंग

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर खीरी। जिला प्रशासन की तरफ से घाघरा नदी कटान रोकने का पुरजोर प्रयास किया जा रहा है। बाढ़ खंड के अफसर घाघरा नदी के दाहिने किनारे पर स्थित गांवो को कटान से बचाने के लिए 700 मीटर संवेदनशील रीच में 40 अदद बंबू कटर तथा अति संवेदनशील 200 मीटर रीच में ईसी बैग्स को गेबियन रोप कैरिट्स प्रयोग कर टोबाल के साथ स्लोप कटिंग कर कटान को नियंत्रित कर लिया गया है। इसके बाद प्रभावित होने वाली आबादी ने राहत की सांस ली है। आवश्यकतानुसार लांच सामग्री का रीक्यूपमेंट भी किया जा रहा है। जिले में घाघरा नदी के दाहिने किनारे पर स्थित तहसील धौरहरा के ग्राम सुजानपुर, लालापुर को कटान से बचाने के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने आपातकालीन फ्लड फाइटिंग कार्य युद्ध स्तर करते हुए सुरक्षित कर दिया है। घाघरा के जलस्तर के वृद्धि को देखते हुए प्रशासन अलर्ट है। अभी कोई खतरा नहीं है। विभाग पैनी नजर बनाए हुए है। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि आवश्यकतानुसार रिजर्व सामग्री यथा ई०सी० बैग, नायलॉन क्रेट, नारियल रस्सी, बम्बू इत्यादि भी उपलब्ध है। अफसरों को बाढ़ एवं कटान क्षेत्रों में सतत भ्रमण सील रहते हुए हर गतिविधि पर पैनी निगाह रखने के लिए निर्देश दिए हैं। जिले में कहीं भी बाढ़ कटान की सूचना प्राप्त होने पर क्विक रेस्पॉन्ड करते हुए आवश्यकतानुसार आपातकालीन कार्य कराये जाये। जिले में बाढ़ एवं कटान क्षेत्र में सतत भ्रमण व संरचनाओं की निगरानी की जा रही है, जिसके कारण जनपद में अवस्थित समस्त तटबन्ध एवं कटावरोधी परियोजनायें सुरक्षित एवं पूर्ण प्रभावी हैं। जिला प्रशासन बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पैनी निगाह रखे हुए हैं और जान माल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सजग है। बताते चले कि नेपाल राष्ट्र में पहाड़ों पर हो रही बारिश से शारदा/घाघरा नदियों का जल स्तर बढ़ गया है, परन्तु जनपद खीरी में बाढ़ एवं कटान की स्थिति सामान्य है एवं आबादी सुरक्षित है। एतिहातन सम्भावित नदी कटान के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा आपातकालीन कटावरोधी कार्य किए जा रहे है।

राणा प्रताप पीजी कालेज में बीए एम ए के मिड सेमेस्टर टेस्ट व प्रायोगिक परीक्षाओं का दौर जारी

विभिन्न परीक्षाओं की तिथि घोषित, दस जुलाई तक होगीं परीक्षाएं

सुलतानपुर। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इन दिनों स्नातक द्वितीय, चतुर्थ व परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर की मिडटर्म परीक्षाओं का दौर चल रहा है। यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ धीरेंद्र कुमार ने बताया कि दस जुलाई तक परीक्षा कराके सभी परीक्षाओं का अंक विश्वविद्यालय की बेबसाइट पर अपलोड कर देना है। महाविद्यालय में एम ए भूगोल द्वितीय सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा शुक्रवार 07 जुलाई को होगी। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी अपनी रिकॉर्ड फाइल,आवश्यक प्रयोग सामग्री , प्रवेश पत्र व परिचय पत्र के साथ सुबह दस बजे विभाग कक्ष में सम्पर्क करें। स्नातक भूगोल चतुर्थ सेमेस्टर तथा मनोविज्ञान द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा शनिवार 08 जुलाई को होगी। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ.प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि विद्यार्थी अपनी रिकॉर्ड फाइल,आवश्यक प्रयोग सामग्री , प्रवेश पत्र व परिचय पत्र के साथ मनोविज्ञान विभाग कक्ष में सुबह नौ बजे तथा भूगोल विभाग कक्ष में सुबह दस बजे सम्पर्क करें। स्नातक भूगोल द्वितीय सेमेस्टर तथा रक्षा अध्ययन द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा सोमवार 10 जुलाई को होगी। यह जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ.हीरालाल यादव ने बताया कि विद्यार्थी अपनी रिकॉर्ड फाइल,आवश्यक प्रयोग सामग्री , प्रवेश पत्र व परिचय पत्र के साथ सुबह सात बजे रक्षा अध्ययन विभाग कक्ष और दस बजे भूगोल विभाग कक्ष में सम्पर्क करें। परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि कि परीक्षा में अनुपस्थित रहने पर परीक्षा परिणाम बाधित होगा जिसकी जिम्मेदारी विद्यार्थी की होगी।

सभी व्यापारी एकत्रित होकर संगठन को बनाए मजबूत: रुचि अग्रवाल

नजीबाबाद। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन की एक महिला प्रकोष्ठ की सभा संगठन हेतु जिला अध्यक्ष कपिल सर्राफ के निवास पर हुई जिसमें महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष श्रीमती रुचि अग्रवाल सहित अनेकों महिला व्यापारी एकत्रित हुई सभी ने उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन को मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने का संकल्प लिया।

हज़रात मुर्तजा हुसैन मोती मिया निज़ामी नियाज़ी के कुल में उमड़ा अकीदतमंदों जान सैलाब

संवाददाता

बरेली । मुर्तज़ा हुसैन निज़ामी नियाज़ी दरगाह रामपुर रोड स्थित आनंद बिहार कालोनी गेट पर उर्स के दूसरे दिन की शुरुवात बाद नमाज़े फ़ज़र गुस्ल से हुई मजरे मुबारक सन्दल पेश कर सलातो सलाम की सदाए बुलन्द की इसी कड़ी में शाहदाना वली वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक अब्दुल वाज़िद खा नूरी,शीरोज सैफ कुरैशी मिर्ज़ा शाहब बेग,मिर्ज़ा मुकर्रम बेग,ने दरगाह पर चादर पोशी व गुलपोशी कर हिंदुस्तान में अमनो अमन भाईचारे के साथ सलामती की दुआ की दिन भर हाजिरी देने वालों का तांता लगा रहा बाद नमाज़े ज़ोहर फनकार आरिफ नियाज़ी ने महफिले समा की महफिल सजाई बुजुर्गों की रूहानी जिंदगी पर रोशनी डालते हुए कहा तेरा दर मिल गया मुझको सहारा हो तो ऐसा हो तेरे टुकड़ों पर पलते हैं गुजारा हो तो ऐसा हो राग शरीफ के बाद खानकाह निजामिया के सज्जाद नशीन हजरत पाशा मियां निजामी ने कुल शरीफ फातिहा पड़ी मुल्क में कामियाबी भाई चारे बीमारों को शिफा बेरोज़गारो को रोजगार बे औलादों को औलाद के सात हिंदुस्तान में अमनो अमन के लिए खुसीसी दुआ की,खुसरो मिया निज़ामी ने हाज़रिने मेफिल को लगर का तबरुक तस्किम किया उर्स के सभी प्रोग्राम खानकहे निजामिया के गद्दी नशीन पाशा मिया की सरपरस्ती में हुए। मीडिया प्रभारी वसी अहमद वारसी ने बताया कल,6,जुलाई को बाद नमाजे असर शाम 6रू00 बजे गौस अली शाह जलाली उर्फ कोड़ा शाह बाबा के कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। उर्स में शिरकत करने वालो में शमीम खा सुल्तानी,वसी अहमद,सलीम सुब्हानी, अहमद,राजू ,शाहजेब ली खा, डॉक्टर कादिर,,परवेज़ खान शादाब कुरैशी,इब्राहिम निज़ामी,इसरार नियाज़ी,कामरान हुसैन,मिर्ज़ा,फुरकान नियाज़ी अलीम खा सुलतानी,अली मिया फैज़ान मोईन चिश्ती, निज़ामी,असीम नियाज़ी,अनस नियाज़ी,अमान हुसैन,फ़िरोज़ नियाज़ी,फैज़ी निज़ामी,शम्मू खान,सहित बड़ी तादात में लोग मौजूद रहे।

संपर्क से समर्थन अभियान की हुई समीक्षा बैठक

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर-खीरी। 2024 लोकसभा के चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों में बैठकों को दौर तेज हो गया है और कुछ पार्टी ने लोगों के बीच पहुंचने का कार्यक्रम भी शुरू कर दिया है। इन सब के बीच सभी पार्टियां जनता में जा कर अपनी खासियत और विपक्ष की गलतियां बता रही है। ऐसे में जनता का विश्वास किस ओर जाता है ये तो समय ही बताएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे महा जनसंपर्क अभियान के तहत गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में संपर्क से समर्थन, घर-घर संपर्क टिफिन बैठक कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र अध्यक्ष कमलेश मिश्रा रहे। बैठक में सदर विधायक योगेश वर्मा, श्रीनगर विधायक श्रीमती मंजू त्यागी सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि संपर्क से समर्थन अभियान पार्टी का महत्वपूर्ण अभियान है। इसके तहत समाज के प्रबुद्ध जनों से संपर्क कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नौ वर्ष में किए गए कार्यों के साथ-साथ पार्टी की नीतियों को बताना है। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में भारत का मान सम्मान बढ़ाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। करोड़ों लोगों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराकर पूरे विश्व में इतिहास रचा है। अमेरिका समेत पूरा देश आज मोदी के कार्यों से अचंभित है। यही कारण है कि भारत की आवाज आज विश्व मंच पर सम्मान से सुनी जा रही है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा की पार्टी द्वारा जिले में दिए गए सभी अभियानों को सफल बनाने में खीरी जिला अग्रणी रहा है इस अभियान में भी खीरी जिला अग्रणी रहेगा।

संपर्क फॉर समर्थन की तरह चलाया जा रहा संपर्क से समर्थन अभियान

2024 में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए बीजेपी जांची-परखी रणनीति पर आगे बढ़ रही है। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का लक्ष्य लेकर पार्टी के नेता, कार्यकर्ता निकल चुके हैं। बीजेपी ने ह्लसंपर्क से समर्थनह्व अभियान चलाया है। यह अभियान केंद्र में मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर शुरू किया गया था। पार्टी इसके जरिए ठीक उसी तरह 2024 की रोड तैयार कर रही है, जैसे उसने 2019 में की थी। बता दें बीजेपी ने 2018 में ह्लसंपर्क फॉर समर्थनह्व अभियान लॉन्च किया था। नतीजा 2019 के आम चुनाव में पार्टी ने अपने दम पर 300 सीटों का आंकड़ा पार किया था।

इनकी रही मौजूदगी

बैठक में क्षेत्रीय मंत्री राजकिशोर मौर्य सोशल मीडिया सह संयोजक अवध क्षेत्र मनोज त्रिवेदी, विधायक योगेश वर्मा, मंजू त्यागी, रोमी साहनी, संपर्क से समर्थन अभियान के संयोजक विनोद लोधी, घर-घर संपर्क अभियान के जिला संयोजक एवं गोला पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय, जिला महामंत्री आशू मिश्रा, विनोद वर्मा, सुरजन लाल वर्मा, जिला प्रवक्ता रमेश चंद्र मिश्रा, रामजी मौर्य, राम जी दीक्षित, उमेश शुक्ला, कमलेश शुक्ला, बृजेश सिंह, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विनीत मनार, श्रीमती पुष्पा सिंह, अरविंद गुप्ता सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन जुआंरी पकड़कर 2200 रुपए बरामद किए

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। सदर कोतवाली क्षेत्र में जुआ खेलते समय तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 2200 रुपये बरामद किए गए हैं। मिश्राना चौकी इंचार्ज साधना यादव ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर सेठ घाट मंदिर के आगे बगिया में दबिश दी गई, जहां पर तीन व्यक्ति ताश के पत्तों पर जीत-हार की बाजी लगाते मिले। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान अंकित गुप्ता निवासी मोहल्ला निर्मलनगर, बृजमोहन वर्मा निवासी फत्तेपुर सैंधरी और आकाश कश्यप निवासी फत्तेपुर सैंधरी के तौर पर हुई है। तीनों अभियुक्तों का चालान भेजा गया है।

1120 परिषदीय विद्यालयों में एक साथ हुई अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी

विद्यालयों के औचक निरीक्षण में छह शिक्षक मिले गैरहाजिर

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों में दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी कराई गई। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी के निर्देशन जिले के पांच ब्लाकों के 1120 परिषदीय विद्यालयों में अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी हुई और इसी दौरान औचक निरीक्षण भी किया गया, जिसमें छह शिक्षक अनुपस्थित मिले। बीएसए ने बताया कि स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करने के लिए विद्यालयों में पीटीएम और निरीक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पांच ब्लाकों रमियाबेहड़, मोहम्मदी, ईसानगर, लखीमपुर एवं मितौली के 1120 परिषदीय विद्यालयों में पीटीएम का आयोजन किया गया। अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी कार्यक्रम के प्रभारी डीसी एमआईएस पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक पीटीएम और विशेष सघन निरीक्षण में लगाए गए हैं। विशेष सघन निरीक्षण में ब्लॉक रमियाबेहड़ में एक सहायक अध्यापक, ईसानगर में एक शिक्षामित्र, लखीमपुर में एक शिक्षामित्र, दो अनुदेशक और मितौली में एक शिक्षामित्र अनुपस्थित पाए गए।

अभियान को शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए मिशन मोड में जुटे कार्यकर्ताःशंकर गिरि

'अब 16 जुलाई तक चलेगा भाजपा का महाजनसंपर्क अभियान,समय सीमा बढ़ाई गई

सुलतानपुर।पार्टी यूपी में मिशन–80 के लक्ष्य पर काम कर रही है। इसी लक्ष्य को भेदने के लिए भाजपा ने महाजनसंपर्क अभियान शुरू किया है।यह अभियान अब 16 जुलाई तक चलेगा।पार्टी के जिला पदाधिकारियों,मोर्चा के अध्यक्ष,मण्डल अध्यक्ष, प्रकोष्ठ, विभाग व प्रकल्पों के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक बीजेपी जिला मुख्यालय पर आयोजित हुई। संगठन जिलाध्यक्ष डा.आरए वर्मा की अध्यक्षता में पयागीपुर जिला कार्यालय पर हुई बैठक में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी शंकर गिरि ने माह भर चले विभिन्न अभियानों की समीक्षा की।काशी क्षेत्र में जनपद को पहला स्थान मिलने पर सभी कार्यकर्ताओ को धन्यवाद ज्ञापित किया।प्रदेश मंत्री श्री गिरि ने बताया कि भाजपा ने यूपी में चल रहे महाजनसंपर्क अभियान की तारीख बढ़ा दी है। यह अभियान अब 16 जुलाई तक चलेगा।इसके तहत घर–घर जनसंपर्क कर

मिस्ड कॉल करने का कार्य और 1000 विशिष्ट लोगों के बीच मोदी सरकार की नौ साल की उपलब्धियों को पहुंचाने का कार्य 75 प्रतिशत ही पूरा होने के कारण अभियान को 16 जुलाई तक बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को घर–घर संपर्क एवं संपर्क से समर्थन अभियान को शत–प्रतिशत पूरा करने के लिए मिशन मोड में जुटना है। भाजपा जिलाध्यक्ष डा.आरए वर्मा ने माह भर चले महा जनसंपर्क अभियान का रिपोर्ट कार्ड रखा।उन्होंने बताया आगामी माह में पार्टी पदाधिकारियों को प्रतिदिन दो बूथ अध्यक्षों से संपर्क कर मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को सफल करना है।पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया 16 जुलाई तक मण्डल अध्यक्षों को शक्तिकेंद्रों के अन्तर्गत आने वाले बूथों पर 100 लोंगो से संपर्क कर टोल फ्री नंबर पर मिस्ड कॉल कराकर सूचीबद्ध करना है।बैठक का संचालन जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी व संदीप सिंह ने किया।बैठक में जिला उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश जायसवाल, आनन्द द्विवेदी, विजय रघुवंशी,डॉ प्रीति प्रकाश,आलोक आर्या,सुनील वर्मा, घनश्याम चौहान, धर्मेन्द्र कुमार,प्रदीप शुक्ल,आशीष सिंह रानू,राजित राम, राजेश सिंह,विवेक सिंह विपिन, चन्दन नारायण सिंह, जियालाल त्यागी,डॉ रामजी गुप्ता,रेखा निषाद, नगर अध्यक्ष आकाश जायसवाल, सुभाष वर्मा,अवध कुमार सिंह,अरूण द्विवेदी, बाबी सिंह आदि मौजूद रहे।

गैंगेस्टर एक्ट में फरार चल रहा दस हजार का इनामिया गिरफ्तार

मेरी जुबान - संवाद्दाता

लखीमपुर खीरी। कोतवाली सदर पुलिस ने गुरूवार को सीतापुर रोड जल भवन के सामने से दस हजार के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया अभियुक्त कमईपुर थाना हरगांव सीतापुर जिले का रहने वाला है और वह गैंगस्टर एक्ट में वांछित था। पुलिस जानकारी के अनुसार सीतापुर जिले के हरगांव थाना क्षेत्र के गांव कमईपुर निवासी अशोक यादव पुत्र राजाराम को सीतापुर रोड जलभवन के सामने से गिरफ्तार किया गया। यह अभियुक्त गैंगेस्टर एक्ट में फरार चल रहा था। इसपर दस हजार रुपए इनाम घोषित था। खबर लिखे जाने तक पुलिस पकड़े गए अभियुक्त के विरूद्ध विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजने की तैयारी में लगी रही। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रशेखर सिंह, उ0नि0 श्री दुर्गेश शर्मा, हे0का0 विजय शर्मा, अरविन्द कुमार, का0 हेमेन्द्र सिंह, विकाश यादव, शरदराज, विपिन, अनूप कुमार, यतेन्द्र पवार शामिल रहे।

पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने बाबू जगजीवन राम को किया याद

बाबू जगजीवन राम के रक्षा मंत्री कार्यकाल में देश हुआ था मजबूत : शकील अंसारी

सुल्तानपुर । भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि बृहस्पतिवार को कांग्रेसियों ने जिला कार्यालय पर मनाई। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेसियों ने पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। तत्पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम के दिखाए हुए रास्ते पर हम सबको चलना चाहिए। उन्होंने देश व दलित उत्थान के लिए बहुत से कार्य किए थे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान जय किसान के नारे को सही मायने में बाबू जगजीवन राम ने चरितार्थ किया था। बाबू जगजीवन राम के रक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान देश मजबूत

था, उसी प्रकार जब बाबू जगजीवन राम देश के कृषि मंत्री थे, तो उन्होंने कृषि सुधारों के कारण किसानों के कल्याण के लिए बहुत से कार्य किए थे। इस मौके पर ओमप्रकाश त्रिपाठी चौटाला, नफीस फारुकी,हौसिला प्रसाद भीम, प्रमोद मिश्र,सिराज अहमद भोला,सिराज अहमद सिद्दीकी, इमरान अहमद,पवन मिश्र ,राजेश श्रीवास्तव,पवन मिश्रा,विनोद कुमार,धर्मराज मिश्र,शीतला प्रसाद साहू,आदि लोग मौजूद रहे।

विकास भवन में आधार कार्ड के लिए लगा कैंप रहा बेनतीजा

नेटवर्क की समस्या के चलते नहीं बन सके आधार

मेरी जुबान ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। आधार कार्ड के अपडेशन व नये आधार कार्ड बनवाने के लिए बृहस्पतिवार को विकास भवन परिसर में विशेष कैंप लगाया गया, लेकिन नेटवर्क की समस्या के चलते किसी का काम नहीं हो पाया। हालांकि आधार में संशोधन व नए आधार बनवाने के लिए लोगो की भीड़ जुटी। कैम्प पर तैनात कर्मचारी ने आधार संशोधन कराने के लिए आने वाले लोगों का नाम पता और मोबाइल नंबर नोट कर लिया और अगले दिन कैम्प लगने पर बुलाने का आश्वासन दिया। कर्मचारी पंकज गुप्ता ने बताया कि नेटवर्क की समस्या के कारण आधार संशोधन व नए आधार बनाए जाने का कार्य नहीं हो सका है।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

लखीमपुर खीरी, शुक्रवार 07 जुलाई, 2023

सीएम ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर किया नमन

उनके सपनों को पूरा कर रही मोदी सरकार:सीएम

लखनऊ। भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 122वीं जयंती पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सिविल हॉस्पिटल परिसर में स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी समेत कई अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि मुखर्जी जी आजादी की लड़ाई में अमर सेनानी के रूप में लड़ाई लड़ी। उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर बनकर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। आजादी के बाद बनी पहली सरकार में वह उद्योग, वाणिज्य और आपूर्ति मंत्री के रूप में जो आधारशिला रखी, वह उदाहरण है। आजादी के बाद स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री के रूप में नेहरू सरकार ने तुष्टिकरण की नीति पर चल कर जिन त्रासदियों से देश उबरने का प्रयास कर रहा था तब उन्ही संकंटों को जबरन देश पर लादने का प्रयास किया तो मुखर्जी जी खुद को कैबिनेट से अलग कर भारतीय जन संघ की स्थापना और उसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी। सीएम योगी ने आगे कहा कि सरकार से उनके मद भेद कई बार देखे गए। लेकिन देश के लिए किए गए उनके योगदान को कभी भूला नहीं जा सकता। सीएम योगी ने आगे कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया था। साथ ही कश्मीर पर उन्होंने "नहीं चलेगा एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान" का नारा भी दिया था। वहीं पीएम मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से धारा 370 हटाकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को मोदी सरकार पूरा कर रही है।

डिप्टी सीएम ने सीएमओ और सीएमएस को दिए निर्देश, एंटी स्नेक वैनम, डायरिया की दवा का रखे स्टॉक

लखनऊ। बारिश में तमाम तरह की बीमारियां दस्तक देती हैं। इसमें त्वचा रोग, सर्पदंश, डायरिया व मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। सभी प्रकार के संक्रामक रोगों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग तैयारी रखें। अस्पतालों में पर्याप्त एंटी स्नैक वैनम का इंतजाम कर लें ताकि रोगियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बृस्पतिवार को प्रदेश के सभी सीएमओ व सीएमएस को अस्पतालों में दवाओं का पर्याप्त स्टाक जुटाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि बारिश में सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि की आशंका रहती है। एंटी स्कैन वैनम का सीएचसी, जिला स्तरीय अस्पतालों में पर्याप्त इंतजाम कर लिया जाये। इमरजेंसी में एंटी स्नैक वैनम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। किसी भी रोगी के लिए बाहर से दवाएं न मांगयी जाये। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि बारिश में संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ जाती है। लिहाजा डायरिया, बुखार, सर्दी-जुकाम, त्वचा रोग, पेट दर्द जैसी दवाओं का स्टाक जुटा लें। पैथोलॉजी व रेडियोलॉजी जाँचें भी 24 घंटे हों। यदि किसी इलाके में संक्रामक रोग फैलने की सूचना मिलती है तो सीएमओ टीम भेजकर राहत कार्य करायें। संक्रामक रोगों की रोकथाम में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। एम्बुलेंस सेवाएं भी रोगियों के मदद के लिए तत्पर रहें। मेडिकल मोबाइल यूनिट रोस्टर के हिसाब पर जायें।

पुलिस ने नही सुनी तो मुख्यमंत्री से शिकायत

लखनऊ । लगता है, राजधानी की पुलिस फिर किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रही है। सनब्रीज अपार्टमेंट में रहने वाले एक अफसर सोसाइटी में सांप्रदायिक उन्माद फैला रहे हैं। स्थानीय लोग डरे सहमें हैं। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि देर रात तक असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है जो महिलाओं से छींटाकशी करते हैं। स्थानीय निवासियों ने नजदीकी थाने में इसकी शिकायत की है लेकिन पुलिस लचर कार्यवाही की आदत छोड़ नही रही। उसकी कार्यवाही 9 दिन चले अढ़ाई कोस वाली है। शिकायत के बावजूद कार्यवाही न होने पर पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है।

एक घंटे की बारिश में नाला बनी सड़कें

लखनऊ । राजधानी में गुरुवार दोपहर हुई बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी। शहर में कई इलाकों में जगह- जगह हुये जल भराव ने स्थित को और खराब कर दिया। मुख्य मार्गों तक पर जल भराव ने व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी। कुछ इलाकों में स्थिति और खराब थी गलियों ने नाले का रूप ले रखा था। इसके अलावा सड़कों पर बने गड्ढे और दिक्कत पैदा कर रहे थे। कई जगह बुधवार को हुई बारिश की वजह से गड्ढे हो गये थे। वह गड्ढे भी लोगों की दहशत का कारण बने हुये थे। फैजुल्लागंज, विकास नगर, इन्दिरा नगर, तकरोई, डालीबाग, आलमबाग समेत तमाम इलाकों में हुये जलभराव की वजह से काफी देर तक लोगों का सड़कों पर चलना दूभर हो गया । फैजुल्लागंज में कई जगहों पर हर बार की तरह इस बार भी बारिश के बाद हो रहे जलभराव के कारण लोगों के अन्दर दहशत है। हालांकि इसबार रुक-रुक हो रही बारिश की वजह से स्थित पिछली बार की तरह

अभी बहुत खराब नहीं हुई है। स्थानीय निवासी ममता त्रिपाठी ने बताया कि अभी बारिश की शुरूआत है। इस वजह से स्थित पहले की तरह गंभीर नहीं हुई है, लेकिन जिस तरह से जलभराव हो रहा है। यदि समय रहते इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया। तो स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है। इसके अलावा शहर के वीआईपी क्षेत्र कहे जाने वाले गोमती नगर विशेषकर लोहियापथ के समीप स्थित स्थानों में कुछ देर की ही बारिश ने जलभराव की स्थित पैदा कर दी। सीएम आवास से महज कुछ दूर स्थित पार्क रोड पर आये दिन जलभराव से लोग दो चार होते हैं। इन क्षेत्रों में भी रही समस्या आशियाना, कानपुर रोड स्थित एलडीए कालोनी, तेलीबाग, खरिका वार्ड, मीराबाई मार्ग, कपूरथला, डालीगंज समेत अन्य जगहों पर जरा सी देर हुई बारिश ने जलभराव की स्थित पैदा कर दी। मुंशी पुलिया में नाले की स्थिति भयावह इन्दिरा नगर के मुंशी पुलिया स्थित सुख कांपलेक्स के सामने से बहता हुआ नाला लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश सोनी ने कई बार नाले की समस्या को लेकर नगर आयुक्त, जिलाधिकारी, मंडलायुक्त , नवनियुक्त मेयर से व्यक्तिगत मिलकर एवं पत्राचार के जरिये समस्या से अवगत कराया है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है, नाला सड़क तक फैल चुका है, किसी दिन भी बड़ा हादसा हो सकता है। आज भारी बारिश के बाद नाले के भराव के बाद क्षतिग्रस्त नाला और सड़क बराबर हो गए, एक अधिवक्ता की गाड़ी नाले में फंस गई और उनकी जान पर बन आई। बड़ी मशक्कत के बाद उनको और उनके परिवार को निकाला गया है।

चेकिंग अभियान में ओवरलोडिंग वाहनों का चालान

कार्यवाही में 10,8000 प्रशमन शुल्क की वसूली

मेरी जुबान संवाददाता

पीलीभीत। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में राज्य के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ ओवरलोडिंग के कारण एवं उनकी रोकथाम के सबंध में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन में एआरटीओ वीरेंद्र सिंह द्वारा पीलीभीत सितारगंज मार्ग पर उत्तराखंड राज्य से माल ले कर आ रहे वाहनों की सघन चेकिंग की

गई जिसमें दो वाहन ओवरलोड संचालित पाए गए इन दोनों वाहनों को सड़क सुरक्षा के प्रति लापरवाही बरतते हुए ओवरलोडिंग माल का परिवहन करने के अभियोग में थाना गजरौला में सीज कर दिया गया इसी के साथ मानक के अनुरूप एचएसआरपी नंबर प्लेट ना लगे सात वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही अमल में लाई गई। चेकिंग कार्यवाही से कुछ 108000 प्रशमन शुल्क की वसूली की गई एआरटीओ द्वारा वाहन चालकों को ओवरलोड माल परिवहन ना किए जाने के विषय में चेतावनी दी गई उन्होंने चालकों को बताया कि ओवरलोड माल लदे वाहनों से दुर्घटना होने की संभावना अधिक होती है दुर्घटना होने पर जान-माल की क्षति होती है साथ ही पकड़े जाने पर चालान अथवा बंद के साथ-साथ चालक का लाइसेंस भी निलंबित एवं निरस्त किया जा सकता है एआरटीओ ने बताया कि 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाकर ओवरलोड के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही की जाती रहेगी।

सास-बेटा-बहू सम्मेलन का भव्य आयोजन

मेरी जुबान - संवाददाता

पीलीभीत। ब्लाक मरौरी के ग्राम सांडिया मुगलपुरा के पंचायत घर में सास-बेटा-बहू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं ग्राम प्रधान द्वारा किया गया। सम्मेलन के लिये पंचायत घर को गुब्बारों एवं आकर्षक रंगोली से सजाया गया था। सम्मेलन में नवदंपत्तियों तथा परिवार नियोजन के लक्ष्य दम्पत्तियों के साथ-साथ क्षेत्र की सास बेटा एवं बहूओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। सम्मेलन के आरम्भ में सास, बेटा एवं बहू द्वारा एक दूसरे का परिचय कराया गया एवं उनकी एक विशेषता भी बतायी गयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सम्मेलन में आये प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये सास-बेटा -बहू सम्मेलन के आयोजन के उद्देश्य के विषय में जानकारी प्रदान की एवं ग्राम तथा जनपद स्तर पर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके उपरान्त स्थानीय ए0एन0एम0 द्वारा गर्भवतियों एवं बच्चों के टीकाकरण से सम्बधित जानकारी साझा की गई। सी0एच0ओ0 द्वारा हेल्थ वेलनेस सेन्टर में उपलब्ध सेवाओं एवं स्तनपान के सम्बन्ध में प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता द्वारा संस्थागत प्रसव के महत्व एवं गर्भवती महिलाओं को खानपान एवं गर्भावस्था के दौरान जांच एवं दवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

इनकी रही मौजूदगी

उक्त सम्मेलन में मुख्य चिकित्साधिकारी एवं एम0ओ0आई0सी0 डॉ0 सहस पाल के साथ साथ ग्राम प्रधान कुन्दन लाल, पंचायत सहायक रोहित कुमार, जिला मातृ स्वास्थ्य परामर्शदाता निनित गंगवार, जिला परिवार नियोजन प्रबन्धक अमित शर्मा, बी0पी0एम0 प्राची अग्रवाल, बी0सी0पी0एम0 मो0 मजहर, क्षेत्रीय ए0एन0एन0 रूबी, क्षेत्रीय सी0एच0ओ0 अनुपम गंगवार, आशा संगिनी, आशा, आंगनबाड़ी सहायिका एवं टी0एस0यू0 की बी0ओ0सी0 सहित अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

परिवार नियोजन का बताया गया महत्व

परिवार नियोजन प्रबन्धक द्वारा परिवार नियोजन का महत्व एवं बास्केट ऑफ च्वाइस के माध्यम से परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के विषय में जानकारी दी गयी । सम्मेलन में गुब्बारों की सहायता से रोचक खेल का भी आयोजन किया गया जिसके माध्यम से अधिक बच्चे होने पर परिवार में आने वाली कठिनाइयों एवं समस्याओं तथा कम बच्चे होने पर उनकी अच्छी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जरूरतों पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही छोटा परिवार सुखी परिवार का भी महत्व बताया गया। सम्मेलन में प्रतिभागियों से परिवार नियोजन से सम्बन्धित प्रश्न-उत्तर कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं ग्राम प्रधान द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। सम्मेलन में आयीं नवविवाहित दम्पत्तियों को शगुन किट प्रदान की गयी एवं उनको शादी के दो वर्ष बाद ही गर्भधारण करने एवं दो बच्चों में कम से कम तीन वर्ष का अंतर रखने के लिये प्रेरित किया गया।

तबादलों और पदोन्नति में अनियमिताओं के आरोप

लखनऊ । वाणिज्य कर विभाग में चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों के तबादलों और पदोन्नति में अनियमिताओं के आरोप लगाते हुए दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी वाणिज्य कर संघ के प्रदेश महामंत्री ने वाणिज्य कर विभाग में आगरा से गाजियाबाद स्थानान्तरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रार्थी के प्रार्थना पत्र स्वीकृत नहीं किया। महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश में ऐसे तमाम मामले है जिसमें चतुर्थ श्रेणी कार्मिकों ने स्थानान्तरण नीति के आधार पर प्रार्थना पत्र दिए लेकिन विचार नही किया गया। उन्होने यह भी आरोप लगाया कि नियमानुसार सचल दल इकाइयों में 1 वर्ष की तैनाती होती है लेकिन 4 वर्षों से कर्मचारी जमे है। जिससे पूरे प्रदेश के कर्मचारी एवं अधिकारियों में अंदरूनी आक्रोश है।

जयंत वजूद बनाए रखेंगे या भाजपा में जाएंगे

वेस्ट यूपी की 12 लोकसभा सीटें केंद्र की राजनीति के लिए अहम, क्या हैं रालोद के 3 विकल्प

लखनऊ । पश्चिमी यूपी में जाट और किसानों की राजनीति के बूते कभी राष्ट्रीय लोक दल देश की सत्ता तक पहुंची थी। अब आरएलडी के बीजेपी के साथ नए गठबंधन को लेकर चचाएं तेज हैं। पार्टी की कमान संभाल रहे जयंत चौधरी अपना वजूद बचाए रखेंगे या भाजपा के साथ विलीन हो जाएंगे, यह देखना दिलचस्प होगा। सियासत के पंडित मानते हैं कि इस बार जयंत चौधरी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बड़ा फैसला लेकर सबको चौंका सकते हैं। जयंत के सामने 2 विकल्प हैं। पहला, बीजेपी के साथ गठबंधन करके पश्चिम की 12 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़े। दूसरा, विपक्ष के महागठबंधन का हिस्सा बन जाए और तीसरा, पश्चिम में अपने प्रभाव वाली सीट पर प्रत्याशी उतारकर ज्यादा से ज्यादा सांसद रालोद के बनाए। फिर, इसी आधार पर केंद्र में मजबूत भूमिका में आएं। जयंत चौधरी उस परिवार से आते हैं, जिसमें से चौधरी चरण सिंह देश के प्रधानमंत्री बने। वो किसान और जाट की राजनीति करते थे। चौधरी अजीत सिंह के देहांत के बाद पूरी पार्टी को जयंत चौधरी ने संभाला। अब ये उनकी जिम्मेदारी है कि राष्ट्रीय राजनीति में अपने परिवार की तरह पुराना मुकाम फिर हासिल करें। वो मजबूती से 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं, विकल्प सपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन का है। लेकिन, मौजूदा समीकरण में बीजेपी की तरफ उनका सॉफ्ट कार्नर पश्चिमी यूपी की राजनीति में कुछ नए आयाम गढ़ सकता है। बीजेपी को भी जयंत के जरिए, किसानों के बीच एक बड़ा चेहरा मिल सकेगा। राष्ट्रीय लोकदल का राजस्थान में एक विधायक है। जो कांग्रेस के साथ सरकार को समर्थन दे रहा है। 2024 लोकसभा चुनाव में जयंत चौधरी, हरियाणा और राजस्थान में पार्टी को मजबूत करने की तैयारियां कर रहे हैं। हरियाणा और राजस्थान में जयंत चौधरी बीते 1 साल में कई जिलों के दौरे और जनसभाएं कर चुके हैं। पश्चिमी यूपी में एक मशहूर कहावत है, जिसके जाट, उसी के ठाठ। जानकार मानते हैं कि जाट सत्ता के साथ कनेक्ट रहना पसंद करते हैं। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान और जाट नेताओं में सत्ता के साथ रहने का इतिहास रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी ने 80 लोकसभा सीटों का फॉर्मूला किया तय

लखनऊ । कहते है राजनीति में दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है इसे लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां 2024 में यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर जीत का मास्टर प्लान बना रही है। वहीं राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेताओं को लेकर बैठक की। लोकसभा चुनाव 2024 के संबंध में यूपी की 80 लोकसभा सीटों का फॉर्मूला तैयार किया। पार्टी सूत्रों की मानें तो भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी अनुप्रिया पटेल की पार्टी को लोकसभा में दो सीट देने पर सहमति बनी है। एक सीट पर अनुप्रिया पटेल अपना दल एस के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगी जबकि दूरसी सीट पर भाजपा के सिब्बल पर अपना दल का प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरेगा। निषाद पार्टी को भाजपा ने यूपी में सिर्फ एक सीट देने का फैसला लिया है बड़ी बता यह है कि निषाद पार्टी का प्रत्याशी भाजपा के सिंबल पर ही चुनाव लड़ेगा। वहीं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को एक सीट देने का फैसला किया। हालांकि इस सीट पर भाजपा के ही सिब्ल पर प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतरना होगा। फिलहाल ओम प्रकाश राजभर का भाजपा के साथ गठबंधन अभी नहीं हुआ। अब देखना होगा कि राजभर किस पार्टी से गठबंधन करते है।

रालोद के प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा सीएम को पत्र

लखनऊ । राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह ने कोरोना महामारी के दौरान किसानों, मजदूरों एवं आम नागरिकों पर दर्ज हुए मुकदमों को वापस लेने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। श्री सिंह ने अपने लिखे हुए पत्र में अवगत कराते हुए कहा कि विगत वर्षो में पूरे विश्व में भयंकर कोरोना महामारी से भारी जन धन हानि हुई है जिसकी भरपाई अभी भी विश्व नहीं कर पाया है। ऐसे में हमारे देश एवं प्रदेश में भी कोरोना महामारी के दौरान जब उत्तर प्रदेश के लोग अपनी रोजी रोटी छोड़कर रोते बिलखते घरों के लिए पैदल ही पलायन कर रहे थे उस समय कई धाराओं में कोरोना महामारी अधिनियम के अंतर्गत लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया। कोरोना महामारी का दंश अभी भी देश झेल रहा है उससे उबर नहीं पाया है।श्री सिंह ने कहा कि ऐसे में दो वक्त की रोटी के लिए तरस रही जनता पर मुकदमा करना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं था। लोगों को तारीख पर जाने के लिए अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा बर्बाद करना पड रहा है और साथ ही समय तो बर्बाद हो ही रहा है। पूरे प्रदेश में कोरोना महामारी अधिनियम के अंतर्गत जितने भी मुकदमे विचाराधीन हैं, जनहित में उनको वापस लेने की आवश्यकता है राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह ने योगी सरकार से मांग की कि कोरोना महामारी के दौरान लिखे गए दुर्भावनापूर्ण मुकदमों को खारिज कराया जाए ताकि आम जनता का उत्पीड़न रुक सके।

विकसित पर्यटन स्थलों का अंकित होगा इतिहास: जयवीर

पर्यटकों को पहुंचने में होगी आसानी

लखनऊ । प्रदेश में स्थित महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक पर्यटन स्थल जिनका विभिन्न योजनाओं के तहत सरकार द्वारा पर्यटन सुविधाये विकसित की है, उनके ऐतिहासिक महत्व एवं मान्यता संबंधी सम्पूर्ण विवरण अंकित करने के निर्देश दिये गये हैं। पर्यटक स्थलों के बारे में विस्तार से सूचनाये दशार्ने से दूर दराज के स्थलों तक पर्यटकों को पहुंचने में आसानी होगी। इससे पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा अल्पज्ञात पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की पहुँच हो सकेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन स्थलों का इतिहास एवं उनके संबंध में जनश्रुतियों तथा मान्यताओं का विवरण दशार्ने के लिए प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम को निर्देश दिये गये हैं। पर्यटन मंत्री ने प्रमुख सचिव को प्रेषित पत्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के सभी जनपदों में ऐतिहासिक धार्मिक तथा पौराणिक महत्व के पर्यटन स्थल मौजूद हैं। देश-विदेश के सैलानी आते रहते हैं। इन स्थलों के अलावा अल्पचर्चित पर्यटन स्थल भी हैं। इनको पर्यटन के नक्शे पर स्थापित करने के लिए पर्यटन विकास का कार्य कराया गया है। इन स्थलों तक पर्यटकों को पहुंचने के लिए इन स्थलों का पूरा विवरण तथा इतिहास आम जनता को पता होना चाहिए। इसको दृष्टिगत रखते हुए विकसित किये गये पर्यटन स्थलों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया जाना जरूरी है। बहुत से पर्यटन स्थल ऐसे हैं जिनके बारे में आम जनता की आस्था जुड़ी हुई है। इनके धार्मिक महत्व के बारे में लोगों की मान्यतायें बहुत गहराई तक जुड़ी हुई हैं। इसको दृष्टिगत रखते हुए धार्मिक पर्यटन स्थलों का इतिहास लेखन जरूरी है। उन्होंने इतिहास लेखन की कार्यवाही को प्राथमिकता देते हुए ससमय पूरा कराने की अपेक्षा की है।

आवारा पशु बर्बाद नहीं कर सकेंगे फसल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आवारा मवेशी किसानों के लिए परेशानी के सबब बने हैं। आवारा मवेशियों के चलते हजारों हेक्टेयर में लगी फसल हर साल बर्बाद हो जाती है। कृषकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के किसानों को आवारा मवेशियों को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने आवारा पशुओं से फसलों को बचाने के लिए एक शानदार प्रस्ताव बनाया है। सरकार का दावा है कि इसके लागू होने के बाद आवारा पशुओं के आतंक पर ब्रेक लगेगा और फसल की बबार्दी कम होगी।उत्तर प्रदेश सरकार ने सोलर एनर्जी से संचालित होने वाले सोलर फेंसिंग लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है। सरकार आवारा पशुओं के आतंक पर लगाम लगाने के लिए खेतों की तारबंदी करेगी। तारबंदी में 6 से 10 वॉट का करंट बहता रहेगा। इस करंट की सप्लाई खेत में लगे सोलर पावर से होगी।इसके लिए योगी सरकार किसानों को बंपर सब्सिडी दे सकती है। सोरल पावर और तारबंदी पर जो लागत आएगी उसका आधा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।सोलर फेंसिंग से किसानों को फायदा होगा क्योंकि आवारा मवेशी फसल बर्बाद नहीं कर करेंगे। फेंसिंग से टच होते ही मवेशियों का मामूली करंट लगेगा लेकिन इससे पशु को नुकसान नहीं होगा। पहले भी किसान मवेशियों से फसलों को बचाने के लिए खेतों की कटीले तारों से फेसिंग करते थे लेकिन कटीले तारों की फेसिंग में करंट की सप्लाई करना प्रतिबंधित है। इससे मशुओं को नुकसान पहुंचता था। वे करंट और कटीले तार की चपेट में आने से घायल हो जाते थे।

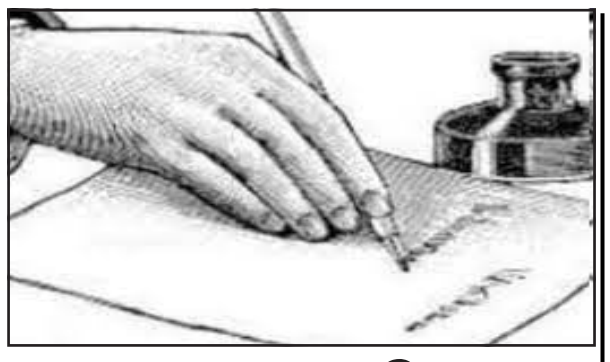

सम्पादकीय

महाराष्ट्र की राजनीति बनेगी लोकसभा चुनावों में भाजपा के गले की फांस ?

महाराष्ट्र की राजनीति में विगत एक वर्ष से कुछ अधिक दिनों से होने वाले निरन्तर बदलाव, विशेष रूप से तीन दिन पहले ही एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना गुट की भाजपा के 105 विधायकों के समर्थन से चलने वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री का पद संभाल रहे, राज्य की पूर्व भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री रहे देवेन्द्र फडणवीस के साथ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजीत पवार के अपने साथ पार्टी के बहुसंख्यक विधायकों को लेकर स्वयं भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और अपने साथ आये 08 अन्य विधायकों को राज्य मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलाने के बाद न केवल महाराष्ट्र, अपितु देश भर के तेजी से बदलते राजनीतिक परिदृश्य से भाजपा के लिये आगामी लोकसभा चुनावों में एक बार फिर से केंद्र की सत्ता प्राप्त करने के मार्ग में अधिकाधिक बाधायें ही उत्पन्न होतीं जा रहीं हैं। भाजपा ने भले ही अजित पंवार को उनके समर्थक विधायकों के साथ राकांपा से तोडकर अपने साथ लाने का कदम बहुत ही सोच-समझकर राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके साथ शिवसेना छोड कर आये 16 विधायकों की विधानसभा सदस्यता की योग्यता पर तीन माह के अंदर फैसला लेने के उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा पारित अंतिम निर्णय में दिये गये आदेश की समयावधि पूर्ण होने और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उक्त फैसले को सुनाए जाते समय की गई टिप्पणियों के आलोक में उन सभी का अयोग्य घोषित होना अवश्यंभावी होना जानने के उपरांत महाराष्ट्र की आर्थिक महत्ता को देखते हुए राज्य सरकार के स्वयं के नियंत्रण में बनाये रखने को दृष्टिगत रखते हुए भले ही उठाया गया हो, परन्तु उससे उसकी छवि और विश्वसनीयता इस देश के आम आदमी के बीच बुरी तरह से गिरी है। भले ही बदले तरीके से अंजाम दिये गये आपरेशन लोटस के माध्यम से भाजपा अगले कुछ और दिनों तक महाराष्ट्र की सत्ता पर काबिज रहने में कामयाब हो जाये, परन्तु आखिरकार तो उसे आगामी लोकसभा और उसके कुछ समय उपरांत महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जनता के बाच जाना ही पडेगा और उस समय वह किस मुंह से और किन तर्कों-वायदों के साथ उसके बीच जा सकने में भी समर्थ हो सकेगी ? महत्वपूर्ण प्रश्न यह हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून, 2023 को भोपाल में सार्वजनिक सभा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 70 हजार करोड़ रूपयों के घोटालों में संलिप्त होने के प्रमाण उपलब्ध होकर उसके सभी जिम्मेदार नेताओं को जेल भेजने की हुंकार भरते हैं और उसके तीन दिनों बाद उसी भ्रष्ट पार्टी के सभी अपराधी नेता उसी भाजपा के समर्थन से चलने वाली महाराष्ट्र सरकार के उपमुख्यमंत्री, मंत्रिगण के रूप में शपथ ग्रहण कर लेते हैं। जाहिर है कि इससे देश की जनता के सामने यह सत्य पूरी तरह से उजागर हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथनों को किसी भी तरह से विश्वास योग्य नहीं मानना चाहिये। विगत नौ वर्षों से अधिक समय के अपने प्रधानमंत्रित्व काल में नरेंद्र मोदी द्वारा की गई घोषणाओं के निष्पक्ष विश्लेषण से भी यही तथ्य उजागर होते हैं, कि उनके द्वारा जिन-जिन विषयों के बारे में सार्वजनिक रूप से घोषणाएं की गईं, कार्यरूप में उनके ठीक विपरीत आचरण की केवल एक-आध मामलों को छोड़कर शेष सभी में किया गया है। जिसकी प्रत्यक्षदर्शी साक्षी इस देश की जनता स्वयं में है। केन्द्र की सत्ता में आये नौ वर्ष से अधिक समय उपरांत भी अगर नरेन्द्र मोदी अब तक अगर भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण की बातें कहते हैं, तो इससे कम-से-कम यह तो उन्हें स्वयं स्वीकार्य है कि वह अपने अब तक के सत्ता काल में भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर सकने में असफल रहे हैं। फिर उनसे आगे उस पर किसी प्रकार के नियंत्रण प्राप्त करने की आशा देश की जनता कैसे और किन आधारों पर करे ? क्या उसके लिये उन्हें एक शताब्दी या उससे भी अधिक समय दिया जाना चाहिए ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका भी खुलासा करने में अब तक असमर्थ रहे हैं कि स्वयं उनकी पार्टी और उनके द्वारा जिन-जिन लोगों को सार्वजनिक रूप से भ्रष्टाचार का प्रमुखतम जनक बताकर उन्हें जेल के सींखचों के पीछे भेजने की घोषणायें विगत 2013 से ही निरंतर रूप से की जाती रही है, देश की सत्ता संभालने के नौ से अधिक वर्ष की अवधि व्यतीत होने के उपरांत उनमें से अधिकांश के भाजपा में शामिल हो जाने के बाद सिवाए उनमें से अनेक को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केन्द्र एवं राज्य सरकारों में मंत्री, सांसद, विधायक, विभिन्न निगमों के अध्यक्ष बनाकर प्रस्तुत करने के अतिरिक्त आखिरकार और क्या किया जात रहा है ? क्या भ्रष्टाचार की परिभाषा केवल भाजपा के विरोधियों द्वारा किया जाने वाली कथित भ्रष्टाचार ही है ? जिसके उपलब्ध साक्ष्य-प्रमाणों का स्वयं संदिग्ध होना अनेक मामलों में उनके विश्लेषण से भी अवलोकित होता है। देश की जनता इस संपूर्ण सत्य को न केवल अच्छी तरह से समझती है, बल्कि वह इस बार प्रधानमंत्री के छलावे में न आने का भी मन बना चुकी है और यही उनकी व भाजपा की चिंता-हताशा का एकमात्र कारण है। जिसका कोई हल फिलहाल उन्हें नजर नहीं आ रहा है।

उमाशंकर पटवा, संपादक.

मेरी जुबान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक जयकिशोर वर्मा द्वारा जीवनदीप प्रिन्टर्स, जोड़ी बंगला, लखीमपुर खीरी से मुद्रित एवं "मेरी जुबान" हिन्दी दैनिक कार्यालय जिला पंचायत प्रागण गेट नं. 02, लखीमपुर खीरी-262701 उ.प्र से प्रकाशित
मो.99199596972
E-mail : merijuban@gmail.com
Website : www.merijuban.com
संपादक: उमाशंकर पटवा
मो. 9411081671

युवाओं में बढ़ता असंतोष और अंग्रेजी ,हिंदी माध्यम में प्रतिस्पर्धा

भारत एक विशाल जनसंख्या वाला देश और विश्व में सर्वाधिक युवा जनसंख्या का देश है। चीन और जापान जहां बुढ़ापे की जनसंख्या से परेशान है वहीं भारत की बड़ी युवा जनसंख्या में आर्थिक स्रोतों के अभाव में असंतोष गहराने लगा हैस वैसे युवाओं में बढ़ते असंतोष की समस्या सिर्फ भारत में ही नहीं है यह विश्वव्यापी समस्या भी बन गई हैस भारत में विद्यार्थियों के मध्य रोजगार न होने से असंतोष की घंटी अब बजने लगी है और यदि इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यह हमारी बुनियाद को हिलाने में जरा भी देर नहीं करेंगी । युवा वर्ग खासकर विद्यार्थियों के मध्य विषाद और असंतोष का वातावरण और कुछ नहीं बल्कि आम लोगों में बढ़ते असंतोष कोई प्रदर्शित करता हैस पिछले एक दशक से विद्यार्थियों में विदेश जाने की चाहत विदेशी वस्तुओं के प्रति आकर्षण और पर्याप्त और रोजगार के साधन होने अवसाद काफी बढ़ गया है और इसकी परिणति हिंसात्मक क्रियाकलापों और तोड़फोड़ आगजनी के रूप में सार्वजनिक जगहों मैं आंदोलन तथा सरकारी भवनों तथा सरकारी वाहनों में आगजनी के रूप में दिखाई देने लगी है विद्यार्थियों युवा वर्ग और युवतियों में दीवानापन एक शोध का विषय बन कर रह गया है लेकिन इसमें न तो कोई अध्ययन करता है और नहीं तो कोई समाधान की ओर सोचने की हिमाकत ही कर रहा हैस हम प्रायः विश्वविद्यालयों के बंद होने कुलपति के घेराव होने वह विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के साथ अपमानजनक व्यवहार करने की खबरें लगातार समाचार पत्रों में पढ़ते रहते हैं यह स्थिति काफी दुखद हो गई हैस हिंसा के इस अतिरेक के पीछे युवा वर्ग तथा विद्यार्थियों की कई शिकायतें तथा मांगे हैं सरकार तथा शिक्षा जगत से जुड़े अधिकारियों प्राध्यापकों और संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों के हित में कोई भी कार्य न किए जाने फल स्वरूप विद्यार्थी दंगे फसाद हड़ताल और प्रदर्शन करते आ रहे हैंस निजी संस्थाओं तथा विश्वविद्यालयों द्वारा छात्रों से अधिक शिक्षा शुल्क वसूला जाना पुस्तकालय एवं तथा शैक्षिक पुस्तकों के अभाव में काफी असंतोष पनपने लगा है उसके अलावा कॉलेज तथा विश्वविद्यालयों स्कूलों में योग्य शिक्षक की कमी भी युवा वर्ग तथा विद्यार्थियों में संतोष की कमी का एक बड़ा कारण भी हैस अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा तथा हिंदी माध्यम के बच्चों का बिछड़ना जी युवा वर्ग में असंतोष का एक बड़ा कारण बन गया है। अभी भी शिक्षा जगत में विद्यार्थियों का बड़ा वर्ग हिंदी मीडियम से शिक्षा प्राप्त कर रहा है ऐसे में अंग्रेजी विषय और भाषा उनकी समझ से बाहर हो जाता है यह भी विद्यार्थियों में असंतोष का बड़ा कारण बनता जा रहा है हमारी आज की शिक्षा पद्धति केवल बेरोजगार को तैयार करने वाली रह गई है इसमें व्यवसायिकता का पुट काफी कम है।उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी युवक रोजगार की तलाश में इधर-उधर भटकता है और यही कारण है कि युवा वर्ग तथा विद्यार्थी समुदाय अपने मुख्य आदर्शों से भटक कर अन्य असामाजिक गतिविधियों में तथा नशे की लत में आदि होने के लिए बाध्य हो गया है। साहित्यकार रामधारी दिनकर जी ने हिंदी से दो यम दर्जे के व्यवहार को लेकर कहा था कि ष्हम अपने विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा की सलीब की भेंट चढ़ा रहे हैंष और यही कारण है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में खासकर तकनीकी परीक्षाओं में अंग्रेजी माध्यम होने के कारण 60ः युवा अंग्रेजी के कारण ही असफल हो जाते हैं। राष्ट्रीय महत्व के इस गंभीर विषय पर सरकार तथा शिक्षाविदों को गहन विचार-विमर्श कर इस समस्या का निदान किया जाना चाहिए। वैसे वर्तमान में प्रदेश तथा केंद्र शासन की परीक्षाओं में हिंदी भाषा तथा माध्यम से परीक्षाएं होने के कारण काफी मध्यम वर्ग के विद्यार्थियों को सफलता मिल रही है पर यह अंग्रेजी मीडियम के विद्यार्थियों की तुलना में लगभग अत्यंत नगण्य है । युवा छात्र देश की उन्नति तथा विकास के स्तंभ है इसके अलावा युवा शक्ति देश की भावी कर्णधार भी हैं यदि इन्हें सही मार्गदर्शन एवं दिशा दर्शन दिया जाए तो काफी सकारात्मक तथा लाभकारी प्रतिफल प्राप्त हो सकते हैं और यदि वे दिशाहीन होकर समाज के विमुख जाते हैं तो न सिर्फ परिवार ,समाज बल्कि संपूर्ण राष्ट्र को बड़ी क्षति होने की संभावना होगी। भटके तथा दिशाहीन युवाओं की हिंसक अभिव्यक्ति का जवाब सरकार की गोलियां या लाठियां नहीं हो सकतीं हैं ,इस मसले को बहुत ही बुद्धिमता पूर्ण एवं शांति पूर्वक युक्ति से निपटना होगा। वैसे यह तो खुला सत्य है कि युवा शक्ति पर ही राष्ट्र का चतुर्दिक विकास तथा आशाएं टिकी हुई है। युवा वर्ग की समस्याओं का समाधान इन परिस्थितियों में ही हो सकता है कि उनकी मानसिक स्थिति तथा आवश्यकता तथा समस्याओं को समझ कर उन्हें हर तरह से दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए, क्योंकि सबल युवा वर्ग ही राष्ट्र का सुनहरा भविष्य हो सकता है।

फिजूलखर्ची पर फटकार

यह विडंबना ही है कि जनता के हितों की दुहाई देकर सत्ता में आने पर राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। वे दावे तो आसमान से तारे तोड़ लाने के करते हैं लेकिन जमीनी हकीकत निराशाजनक ही होती है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि थोड़े से काम को इस तरह प्रचारित किया जाता है जैसे धरती पर स्वर्ग उतर आया हो। जबकि हकीकत में जनता के करों से अर्जित धन को निर्ममता से प्रचार-प्रसार में उड़ाया जाता है। विकास की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करके सरकारी धन को विज्ञापनों व फिजूलखर्ची में उड़ाने वाली दिल्ली सरकार की कारगुजारियों पर शीर्ष अदालत की फटकार को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। अदालत ने सख्त लहजे में कहा भी कि ऐसा क्यों है कि लोगों को मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिये सरकार के पास पैसा नहीं है? तो फिर विज्ञापनों पर अनाप-शनाप खर्च होने वाला धन कहां से आ रहा है? दरअसल, दिल्ली सरकार ने शीर्ष अदालत के निर्देश के बावजूद रैपिड रेल परियोजना के लिये आर्थिक योगदान देने में वित्तीय संकट का रोना रोया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनहित की योजनाओं में योगदान करने से कतराने वाली सरकार विज्ञापनों तथा अन्य गैर जरूरी काम के लिये धन कहां से ला रही है? यही वजह है कि दिल्ली सरकार की नीयत को भांपते हुए शीर्ष अदालत ने विज्ञापनों पर खर्च किये गये उस धन का विवरण मांगा है जो पिछले तीन वित्तीय वर्षों में व्यय किया गया। जानकार सूत्र बता रहे हैं कि जिस रैपिड रेल परियोजना में दिल्ली सरकार ने योगदान देने से मना किया था वह दिल्ली को राजस्थान व हरियाणा से जोड़ सकती है। जिससे सड़कों पर ट्रैफिक के दबाव को कम करने में मदद मिल सकती थी। विडंबना यह है कि सूचना अधिकार कानून के तहत हासिल जानकारी बता रही है कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली सरकार द्वारा विज्ञापनों पर किया खर्च पांच सौ करोड़ रुपये के करीब हो गया है। निश्चय ही यह लोकतंत्र में जनधन के दुरुपयोग की पराकाष्ठा है। शर्मनाक ढंग से गैर उत्पादक कार्यों में अंधाधुंध पैसा लुटाया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को सब्जबाग दिखाकर व मुफ्त का प्रलोभन देकर सत्ता में आये राजनीतिक दलों का वास्तविक चरित्र क्या है? ऐसे दलों की कथनी और करनी की वास्तविकता क्या है? अंधाधुंध विज्ञापनों पर खर्च करके राजनीतिक दल क्या हासिल करना चाहते हैं? क्या यह प्रचार की भूख है या अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने का असफल प्रयास? दिल्ली की जनता की याददाश्त इतनी कमजोर भी नहीं कि उसे याद न हो कि दिल्ली में वोट मांगते समय आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने सरकारों की फिजूलखर्ची और राजनीतिक दलों के थोथे प्रचार पर जनधन खर्च करने पर सवाल उठाये थे। जनता ने आप के दावों पर भरोसा भी किया और अपार जनसमर्थन भी दिया। मगर परिणाम वही ढाक के तीन पात रहे। दरअसल जब से आम आदमी पार्टी खुद सत्ता में आई तो राज्य सरकार की रीतियां-नीतियां पुरानी सरकारों के ढर्रे पर चल निकली हैं। निस्संदेह यह स्थिति देश के राजनेताओं के कथनी-करनी के अंतर को भी दशार्ती है। वहीं इस प्रकरण से जनता की उस धारणा को भी बल मिला है कि सत्ता में आने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों का चरित्र एक जैसा ही हो जाता है। यदि पिछले कुछ समय में चुनावों के दौरान मतदान के प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई है तो उसका एक बड़ा कारण राजनेताओं की कथनी-करनी का अंतर भी है। कमोबेश पूरे देश में ही जनता में सरकारों के प्रति मोहभंग जैसी स्थिति है।

भाग एक: मापदंडों से फिसलते पत्रकारों/सम्पादकों की भूमिका से मीडिया की धूमिल होती छवि

एक दौर हुआ करता था जब पत्रकार अपनी कलम के जरिए आम जनता के हितों से जुड़े बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म और धार दिया करते थे। इसलिए आम आदमी ने पत्रकार को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना, लेकिन आज स्थितियां लगातार बदलती नजर आ रही हैं। पत्रकारिता भी व्यावसायिकता की चपेट से अछूती नहीं रह गई है, जिसके कारण पत्रकारिता के स्तर में भी लगातार गिरावट दिखाई दे रही है। व्यावसायिक युग के दौर में निजी फायदे के लिए सोशल मीडिया पर फेक न्यूज चलाने का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जिसका सीधा असर समाज पर पड़ रहा है और समाज में पत्रकारिता से जुड़े लोगों की छवि धूमिल हो रही है। एक स्वर में पत्रकारिता के सिद्धांतों का पालन करते हुए पत्रकारिता के मूल स्वरूप को बनाये रखने पर जोर दिया जाता है। साथ ही समाज की कठिन समस्याओं पर भी अपनी लेखनी के माध्यम से सरकारों को चेताने की बात कही गयी है, ताकि मानव जीवन के लिए कठिन होती जा रही समस्याओं का समय रहते निराकरण हो सके। किसी भी भवन या ढांचे को खड़ा करने के लिए चार स्तंभों/खम्भों की जरूरत होती है, उसी प्रकार लोकतंत्र रूपी भवन में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका को लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तम्भ माने जाते हैं जिनमें चौथे स्तम्भ के रूप में मीडिया को शामिल किया गया है। किसी देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया उतनी ही आवश्यक व महत्वपूर्ण है जितना लोकतंत्र के अन्य स्तम्भ। इस प्रकार पत्रकार समाज का चौथा स्तम्भ माना जाता है जिस पर मीडिया का पूरा का पूरा ढांचा खड़ा होता है जो नींव का काम करता है। यदि उसी को भ्रष्टाचार व असत्य रूपी घुन या दीमक लग जाए तो मीडिया रूपी स्तम्भ व लोकतंत्र रूपी इमारत को गिरने से बचाने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। एक समय था जब एक पत्रकार की कलम से लिखा गया एक-एक शब्द से देश की राजधानी में बैठे नेता, राजनेता और शीर्ष अधिकारियों की कुर्सियाँ हिलने लगती थी। पत्रकारिता ने हमारे देश की आजादी में अहम् भूमिका निभाई है। जब देश गुलाम था तब अंग्रेजी हुकूमत के पाँव उखाड़ने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों को जागरूक

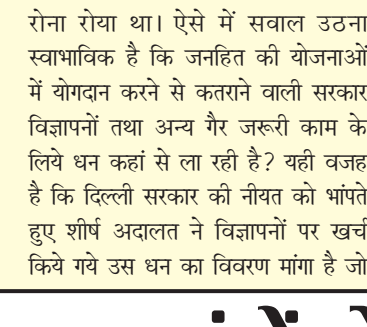

करने के उद्देश्य से अनेक समाचार पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन और प्रकाशन शुरू हुआ। इन्हीं समाचार पत्र-पत्रिकाओं ने देश को बाँधने और एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शुरूआत के दिनों में पत्रकारिता एक मिशन के रूप में जन्मीं थी जिसका उद्देश्य लोगों को सामाजिक-राजनैतिक चेतना और नागरिक अधिकारों के प्रति और अधिक जागरूक करना था। महात्मा गांधी, डॉ.आंबेडकर,बाल गंगाधर तिलक, जवाहर लाल नेहरु, गणेश शंकर विद्यार्थी आदि महान स्वतंत्रता सेनानियों और महान हस्तियों ने समाचार पत्र-पत्रिकाओं को अपनी लड़ाई का एक सशक्त हथियार बनाया था। दरअसल, उनमें एक जूनून था, उन्हें कोई डिगा नहीं सकता था। इन्हीं के नक्शे कदम पर चलने वाले आज भी कुछ ऐसे पत्रकार हैं जो पूंजीपति, सरकार, सामाजिक दीवारों व बंधनों को फांदकर अपनी पत्रकारिता के धर्म का निर्वहन करते हैं, उनका सम्पूर्ण जीवन पत्रकारिता को ही समर्पित है। वहीँ आज अधिकांश तथाकथित पत्रकारों ने पत्रकारिता को ग्लैमर की दुनिया और कमाई का जरिया बना रखा है। अपनी धाक जमाने और गाड़ी पर प्रेस लिखाने के अलावा इन्हें पत्रकारिता या किसी से कुछ लेना- देना नहीं होता,क्योंकि उनके लिए ह्व प्रेस ह्व सिर्फ एक शब्द ही काफी होता है। ऐसे कथित पत्रकारों को गाड़ी पर नम्बर प्लेट, जरूरी डॉक्युमेंट्स और हेलमेट की जरूरत नहीं पड़ती है। मानो सारे नियम व कानून इनके सामने बौने और शून्य हो गए हों, क्योंकि सभी इनसे डरते जो हैं। चाहे नेता हो, अधिकारी हो, कर्मचारी हो, पुलिस हो, अस्पताल हो सभी जगह बस इनकी धमक रहती है। इतना ही नहीं, ऐसे पत्रकार अवैध कारोबारियों और भ्रष्ट अधिकारियों - कर्मचारियो से हफ्ता वसूल कर अपनी जेबों को भरकर ऐश-ओ-आराम की जिन्दगी जीना पसंद करते हैं। खुद भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और भ्रष्टाचार को मिटाने का ढिंढोरा भोले भाले समाज के सामने ऐसे पीटते हैं, मानो यही सच्चे,निष्पक्ष और स्वतंत्र पत्रकार हों। सभी लोग इनके अदृश्य भय या शक्ति से आतंकित रहते हैं। कुछ तथाकथित पत्रकार तो इस हद तक चले जाते हैं कि सच्चे, ईमानदार और अपने कार्य के प्रति समर्पित रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सुकून से काम भी नहीं करने देते,ऐसे पत्रकार जनता में सच्चे पत्रकारों की छवि को धूमिल कर रहे हैं। आज के दौर में हद यह हो गई है कि आपराधिक मानसिकता के व्यक्ति अपने कारोबार को संरक्षण देने के लिए पत्रकारिता में प्रवेश कर रहे हैं जिससे उनके भ्रष्टाचार, अन्याय, अत्याचार को बढ़ावा और संरक्षण मिल रहा है और हमारा लोकतंत्र दिन-प्रतिदिन खोखला होता जा रहा है जो आज नहीं तो कल आम जनता के लिए घातक सिद्ध होगा। पत्रकारिता समाज का आईना माना जाता है जो समाज और सरकार की अच्छाई और बुराई को जनता के सामने लाती है। यदि पत्रकार और बुराई के बीच में सेटिंग हो जाए तो न अच्छाई जनता के सामने आ पायेगी और न ही बुराई। पत्रकारिता के गिरते स्तर में ज्यादा जिम्मेदारी किसकी? पत्रकारिता में थ्योरी तो कई हैं, लेकिन आज कल इस थ्योरी से ही सबकी पहचान हो जाती है कि कौन कितने प्रतिशत पूर्वनिर्धारित एजेंडा बनाम सही मुद्दों खबर कर रहा है, डिग्री में अंतर हो सकता है। पत्रकारिता की जब पढ़ाई की जाती है तो उसमें एक शब्द आता है ह्यस्लैंट देनाह्व अर्थात खबर को किस झुकाव के साथ परोसा जाए। एथिक्स का भी एक पेपर होता है, लेकिन उसका उतना ही मतलब है जितना हमारे स्कूली पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा का। दुर्भाग्य है कि हर आदमी दूसरों को एथिकल (नैतिक) होना देखना चाहता है,किंतु खुद नहीं। आज के दौर में एथिक्स, निष्पक्षता और ह्यवाच डॉगह्व का अर्थ और महत्व पत्रकारिता पर होने वाले सेमिनार और चचाओं तक ही सिमट कर रह गया है,अर्थात ये सब महज एकेडेमिक बातें हैं जिनका प्रयोग आप चर्चा में, किसी से वाद-विवाद या मीडिया की वर्तमान स्थिति के अवलोकन-मूल्यांकन पर बातें करते हुए करते हैं ताकि सामने वाले को यह लगे कि आप वाकई पत्रकारिता की शुचिता को लेकर चिंतित और प्रयासरत हैं। आप सच्चाई से बहुत दूर भागते हैं। आपको आदर्श स्थिति चाहिए कि ऐसा ही होना चाहिए, क्योंकि हमने कहीं पढ़ा है कि ऐसा होता तो गजब होता। जैसे कि हर आदमी को आठ घंटे काम की बराबर सैलरी मिलनी चाहिए। सुनकर यह वाक्य ही विसंगतियों से भरा लगता है। इसकी बुनियाद में ही गलती है, क्योंकि हर आदमी एक जैसा नही होता है ,न तो हर आदमी एक तरह का काम करता है और न ही एक तरह से उसी काम को करता है। आप जिस दिन चाहें उस दिन बारिश नहीं होती है और न ही कोशिश करने के बावजूद राजनीति में साफ सुथरे और जानकर लोग पहुँचने लगेंगे या मीडिया सही रिपोर्टिंग करने लगेगी। मानव जाति की समस्या यह है कि वह कल्पनाशील होता है। उसे कहानियाँ गढ़ना आता है, वह सोचने लगता है कि हर आदमी को बैठे-बैठे खाना मिलने लगे तो कितना सही रहेगा! यहाँ पर तर्क गायब हो जाता है। कुछ ऐसा ही आज के मीडिया के मामले में भी है। हर चीज एक गति से अपने भूतकाल से वर्तमान में आती है और अपना भविष्य तय करती है। इसमें समय, परिस्थितियाँ, समाज आदि उसको प्रभावित करने के मुख्य कारक होते हैं। कोई भी घटना स्वतंत्र नहीं होती। बारिश होने के लिए वाष्पीकरण होता है, जिसके लिए नदियों को गर्मी मिलनी चाहिए। मीडिया अगर आज एजेंडा सेट करने में लगी है तो मतलब यह है कि परिस्थितियाँ और समय उसी कार्य के अनुकूल हैं। यहाँ आप आदर्श मत घुसाइये ,क्योंकि आदर्श तक पहुँचने के लिए जो समय और परिस्थितियां चाहिए उसको भी आपको ध्यान में रखना होगा। क्या आपको लगता है कि आप स्वयं आदर्श हैं? अगर आप हैं भी, तो क्या समाज का बहुसंख्यक हिस्सा आदर्श है,क्या वह सही आचरण करता है? सही आचरण से तात्पर्य झूठ न बोलने से लेकर जिम्मेदार नागरिक होने के तमाम दिशा-निदेशों और जिम्मेदारियों का पालन करना है। क्या आप या हम किसी भी स्तर पर आदर्शवाद के निकट हैं? क्या आपके दिल की इच्छा नहीं होती कि मीडिया से ऐसी खबरें आनी चाहिए, वैसी नहीं। फिर आप क्यों कोसते हैं कि मीडिया तो बिक गई है! मीडिया की इस स्थिति के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदारी मीडिया को खुद लेना चाहिए।

सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर नन्द लाल वर्मा, मोबाइल नंबर : 9415461224, लखीमपुर-खीरी

ब्लैक-टी के वैसे तो कई फायदे पर यह किडनी के लिए हो सकती है हानिकारक

चाय पीना हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक? लंबे समय से इस विषय पर चर्चा होती रही है। कुछ शोध बताते हैं, अगर संयमित मात्रा में चाय का सेवन किया जाता है तो इससे कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। विशेषतौर पर शोधकताओं ने सेहत के लिए ब्लैक टी को अधिक फायदेमंद पाया है। ब्लैक टी, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है और हृदय से लेकर आंत और डायबिटीज की समस्या तक में सुधार कर सकती है। कोरोना महामारी के दौरान ब्लैक-टी काफी चर्चा में रही। अध्ययनकताओं ने पाया कि इसके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती मिल सकती है जो संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने में आपके लिए लाभकारी है। पर कुछ हालिया रिपोर्ट्स में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि ब्लैक-टी का ज्यादा सेवन नहीं किया जाना चाहिए, इससे किडनी की बीमारियों के बढ़ने का खतरा हो सकता है। इसका सेवन तभी तक सुरक्षित है जब तक आप कम मात्रा में इसे पीते हैं।

ब्लैक टी में कैफीन की मात्रा

डायबिटीज से लेकर हृदय की बीमारियों तक में ब्लैक-टी के सेवन को लाभकारी पाया गया है, तो यह किडनी के लिए किस प्रकार से नुकसानदायक है इसे समझने के लिए कई अध्ययन किए गए। अध्ययनों में इसके मिले-जुले परिणाम देखे गए। शोधकताओं ने पाया कि चाय और कॉफी में कैफीन प्राथमिक घटक है जो किडनी पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव डाल सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि कैफीन, वैसे तो किडनी के लिए लाभकारी है क्योंकि इसमें मूत्रवर्धक प्रभाव होता है और यह ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट (जीएफआर) में सुधार कर सकती है। जीएफआर के माध्यम से यह समझने की कोशिश की जाती है कि आपकी किडनी कितने अच्छे तरीके से काम कर रही है?

कैफीन के दुष्प्रभाव भी

कैफीन एक तरफ जहां किडनी के लिए फायदेमंद प्रभावों वाली मानी जाती है वहीं इसके कुछ दुष्प्रभाव भी हैं। कैफीन आपके ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि कैफीन की अधिकता सिस्टोलिक और डायस्टोलिक रक्तचाप दोनों प्रकार के ब्लड प्रेशर में वृद्धि कर सकती है। चूंकि हाई ब्लड प्रेशर किडनी की बीमारी का प्रमुख जोखिम कारक है इसलिए कैफीन की अधिकता वाली चीजों से किडनी की समस्याएं बढ़ने का खतरा हो सकता है।

ऑक्सलेट के कारण इसके नुकसान

ब्लैक-टी को किडनी के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक इसमें पाए जाने वाली ऑक्सलेट की मात्रा के कारण माना जाता है। इसमें घुलनशील ऑक्सालेट की उच्च सांद्रता होती है। ये ऑक्सालेट कैल्शियम से जुड़ते हैं और क्रिस्टल बना सकते हैं जिससे किडनी में पथरी होने का खतरा रहता है। यही कारण है कि ब्लैक टी के अधिक सेवन से किडनी स्टोन होने का खतरा माना जाता है।

क्या है विशेषज्ञों की सलाह?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ब्लैक-टी को वैसे तो अध्ययनों में सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी पाया गया है। हृदय रोग, विशेषकर कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में इसके लाभ हैं, पर इसका कम मात्रा में ही सेवन किया जाना फायदेमंद माना जाता है। ब्लैक-टी की अधिकता किडनी के लिए समस्याकारक हो सकती है। एक दिन में दो कप से अधिक मात्रा में इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

बारिश में टूट रहे हैं आईब्रो के बाल तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

मई-जून की चिलचिलाती गर्मी के बाद जुलाई में अब मानसून ने दस्तक दी है। महीने की शुरूआत से ही बारिश ने लोगों को काफी राहत पहुंचाई है। बारिश अपने साथ राहत तो लेकर आती है पर, कई मुसीबतें भी लेकर आती है। बारिश के मौसम में स्किन प्रॉब्लम से लेकर बाल झड़ने की समस्याएं तक सामने आने लगती हैं। अगर इनका ध्यान शुरूआत में नहीं रखा जाए तो यह परेशानियां काफी हद तक बढ़ जाती हैं। बाल झड़ने के साथ-साथ कई लोगों को आइब्रो के बाल झड़ने की परेशानी भी झेलनी पड़ती है। आइब्रो के बाल झड़ने से लोग काफी टेंशन में आ जाते हैं। इसको रोकने के लिए या तो लोग हजारों रुपए खर्च करके पार्लर जाते है या फिर घरेलू नुस्खे अपना लेते हैं। आज हम आपको आइब्रो के बाल झड़ने से रोकने के लिए घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं ताकि आप भी इस परेशानी से घर बैठे छुटकारा पा सकें। इसके लिए आपको बस कुछ चीजों की जरूरत पड़ेगी आइए इन चीजों के बारे में आपको बताते हैं।

नारियल तेल

गर्म नारियल तेल को लगाने से आईब्रो के बाल मजबूत होते हैं और टूटने से बचते हैं। रात में सोने से पहले नारियल तेल से धीरे-धीरे आईब्रो पर मसाज करें और इसे पूरी रात छोड़ दें। सुबह चेहरा धो लें।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल आईब्रो के बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल के लिए जेल को आईब्रो के बालों पर लगाएं और 30 मिनट तक रखें।

जैतून का तेल

जैतून का तेल आईब्रो को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इसे गर्म करके और फिर आईब्रो पर लगाएं। धीरे-धीरे मसाज करें ताकि तेल अच्छी तरह से बालों में संचरित हो सके।

प्याज का रस

प्याज का रस आईब्रो के लिए उपयोगी होता है, क्योंकि इसमें सल्फर होता है। प्याज के रस में मौजूद सल्फर आईब्रो के लिए बहुत लाभकारी होता है। आप प्याज को पीसकर उसका रस निकालें और इसे आईब्रो पर लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक रखें और फिर धो लें।

आलू का रस

आलू का रस आईब्रो के बालों को मजबूत और घना बनाने में मदद करता है। आप आलू का रस निकालकर इसे आईब्रो पर लगा सकते हैं। इसे 30 मिनट तक रखें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।

तिल का तेल

तिल का तेल आईब्रो के बालों को मजबूत बनाने में मदद करता है। आप रोजाना सोने से पहले थोड़े तिल का तेल से आईब्रो पर मसाज कर सकते हैं।

महिलाओं की तरह पुरुषों के शरीर पर भी होते हैं स्ट्रेच मार्क

डिलीवरी के समय पेट पर खिंचाव पड़ने के कारण महिलाओं की जांघों और पेट में स्ट्रेच मार्क पड़ जाता है। वहीं पुरुषों में भी कई कारणों से स्ट्रेच मार्क आ जाते हैं। हम आपको नीचे स्ट्रेच मार्क के कारण, लक्षण और इलाज के बारे में बता रहे हैं। स्ट्रेच मार्क को लेकर अक्सर लोग यह सोचते हैं कि यह सिर्फ महिलाओं को ही होता है। क्योंकि डिलीवरी के समय पेट पर खिंचाव पड़ता है। जिसके कारण महिलाओं की जांघ और पेट पर सफेद या लाल रंग की लकीरें उभर आती हैं। हालांकि इन मार्क को दवा और क्रीम के जरिए सही किया जा सकता है। लेकिन

आपको बता दें कि स्ट्रेच मार्क एक सामान्य स्थिति है, जो सिर्फ महिलाओं में ही नहीं बल्कि पुरुषों में भी देखने को मिलती है। एक स्टडी के अनुसार जब डर्मिस बहुत तेजी से खिंचती है, तो कोलेजन और इलास्टिन फाइबर टूटने लगते हैं। इससे त्वचा पर खिंचाव यानी की स्ट्रेच मार्क पड़ जाते हैं। स्ट्रेच मार्क के कारण पुरुषों को कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, लेकिन इससे पहले यह समझना काफी जरूरी है कि यह जीवन का इस हिस्सा है। इसलिए इन स्ट्रेच मार्क के होने पर कभी भी कम आत्मसम्मान की भावना नहीं लानी चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पुरुषों में स्ट्रेच मार्क के कारण, लक्षण और इलाज के बारे में बताने जा रहे हैं।

पुरूषों में स्ट्रेच मार्क की वजह

वजन का घटना या बढ़ना

तेजी से मांसपेशियों के निर्माण यानी की बॉडी-बिल्डिंग के कारण भी स्किन खिंच जाती है।

कुछ पुरुषों में जीन की वजह से भी खिंचाव के निशान बन जाते हैं।

जो पुरुष लंबे समय तक कॉर्टिकोस्टेरॉइड का उपयोग करने से त्वचा कमजोर होने के साथ खिंचने लगती हैं।

स्ट्रेच मार्क क्रीम

एक स्टडी के अनुसार, रेटिनॉइड्स और अल?फा हाइड्रॉक्सी एसिड वाली क्रीम को स्ट्रेच मार्क पर लगाने से इससे छुटकारा मिल जाता है।

लेजर थेरेपी

स्ट्रेच मार्क का इलाज लेजर थेरेपी के जरिए भी किया जाता है। इस प्रक्रिया से कोलेजन उत्पादन को प्रोत्साहन मिलता है। जिसके कारण स्ट्रेच मार्क के निशान कम होते हैं।

निकॉन ने भारत में लॉन्च किया अपना नया कैमरा Z8

कैमरे में ऐसी बहुत सारी खूबियां हैं जो किसी प्रोफेशनल कैमरे में होनी चाहिए और जो फोटोग्राफी के अलग लेवल के एक्सपीरियंस को महसूस करता हो। कंपनी का दावा है कि इस कैमरे में अकइनेबल एरोप्लेन मोड दिया गया है, जिससे आप आसानी से किसी चीज पर फोकस कर सकते हैं। प्रोफेशनल फोटोग्राफरों के लिए एक खुशखबरी है, जानी मानी कैमरा कंपनी निकॉन ने अपना नया कैमरा 8 को भारत में लांच कर दिया है। यह ऊपर ही स्पष्ट कर दिया गया है कि, यह कैमरा प्रोफेशनल लोगों के लिए है या उन लोगों के लिए है जो ऊंचा शौक रखते हैं, क्योंकि इस कैमरे की कीमत लाखों में है, तो इस कैमरे को वही लोग खरीद सकते हैं जो इससे आमदनी करते हैं या फिर जो नवाबी शौक पालते हैं। निकॉन का दावा है कि इस कैमरे में ऐसी बहुत सारी खूबियां हैं जो किसी प्रोफेशनल कैमरे में होनी चाहिए और जो फोटोग्राफी के अलग लेवल के एक्सपीरियंस को महसूस करता हो। कंपनी का दावा है कि इस कैमरे में अकइनेबल एरोप्लेन मोड दिया गया है, जिससे आप आसानी से किसी चीज पर फोकस कर सकते हैं। फोकस की बात चल रही है तो बता दे कि, निकॉन कंपनी का कहना है कि इस कैमरे में दिया गया ऑटोफोकस इतना बेहतरीन है कि आप जिधर जिधर आपकी आंखें मूव करते हैं उधर उधर इसकी मूविंग पोजीशन फोकस करते रहता है। इतना ही नहीं कैमरे में कैपेबिलिटी और हाई स्पीड फ्रेम कैप्चर भी मिल रहा है। यह प्रोफेशनल कैमरा स्पोर्ट्स, फैशन, लैंडस्केप, वेडिंग के साथ-साथ वाइल्डलाइफ की शूटिंग के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। इसके अलावा इस कैमरे से आप आसानी से सिनेमैटोग्राफी भी कर सकेंगे। निकॉन कंपनी का कहना है कि उनके इस नए 8 में स्टोरी टेलिंग और टेक्नोलॉजी का बेहतरीन समन्वय दिया गया है जो वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी लवर्स को काफी पसंद आने वाला है। कंपनी का कहना है कि इस कैमरे में 10-बिट स्टिल इमेज के लिए नया एचएलजी (एचईआईएफ) फॉर्मेट, लगाया गया है जिसमें आपको हाई रेजोल्यूशन जूम, स्किन सॉफ्टनिंग, पोट्रेट, इंप्रेशन बैलेंस और ऑटोफोकस जैसे कई अकएल्गोरिदम वाले फीचर दिए जा रहे हैं। इन सारी खूबियों के बारे में कोई भी प्रोफेशनल कैमरामैन आसानी से समझ सकता है और महसूस कर सकता है कि इन सारी खूबियों के साथ एक बेहतरीन फोटोग्राफी वीडियोग्राफी कैसे की जा सकती है। अब बात करते हैं इस कैमरे की उपलब्धता की तो बता दें कि निकॉन का यह कैमरा निकॉन के ही आउटलेट पर मिलेंगे और भारत में इसके जहां-जहां भी आउटलेट्स हैं वहां 25 मई 2023 से ही यह कैमरा उपलब्ध है। वहीं अगर इस कैमरे की कीमत की बात करें तो आपको एक बार सुनने में आश्चर्य जरूर लगेगा क्योंकि यह कोई साधारण कैमरा नहीं है यह 128GB सीएफएक्सप्रेस कार्ड के साथ 3,43,995 रुपये में उपलब्ध है। इस कैमरे के साथ आपको रिचार्जेबल लिथियम आयन बैटरी भी मिल रही है। तो आप भी प्रोफेशनल कैमरा की जानकारी रखते हैं तो निसंदेह आपको यह कैमरा पसंद आएगा।

जन्म से लेकर 1 साल तक के बच्चे को ऐसे करवानी चाहिए फीडिंग, मिलेगा बेहतर विकास

हर महिला के जीवन का सबसे खूबसूरत पल वह होता है, जब वह एक नन्ही सी जान को इस दुनिया में लाती है। बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए फीडिंग बहुत जरूरी है। इसलिए आप जन्म से लेकर 12 माह तक ऐसे बच्चे को फीडिंग करवा सकती हैं। हर महिला के जीवन का सबसे खूबसूरत पल वह होता है, जब वह एक नन्ही सी जान को इस दुनिया में लाती है। एक बच्चे के साथ ही उस महिला का भी मां के रूप में नया जन्म होता है। हर मां अपने बच्चे के लिए वह सब करना चाहती है। जिससे उनका बच्चा हेल्दी रहे। बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए फीडिंग बहुत जरूरी है। ऐसे में मां को बच्चे की

हर जरूरत का ध्यान रखना पड़ता है। जैसे बच्चे के खाने का समय क्या है, वह कितना खा रहा है। क्योंकि जब बच्चा जन्म लेता है तो उसका पेट काफी छोटा होता है। ऐसे में उसका ज्यादा ख्याल रखना पड़ता है। नवजात शुरूआत में 1-2 चम्मच दूध पीता है, लेकिन जैसे-जैसे वह बड़ा होता है। उसकी खुराक भी बढ़ने लगती है। जन्म से लेकर 1 साल तक में बच्चे का ग्रोथ काफी तेजी से होता है। इसलिए हर नई मां को यह समझना बहुत जरूरी होता है कि बच्चे को कितना खाना जरूरी होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपकी इसी समस्या का समाधान लेकर आए हैं। आइए जानते हैं कि नवजात को जन्म से लेकर 1 साल तक में कितने दूध की जरूरत पड़ती है।

नवजात को कितने दूध की होती है जरूरत

बता दें कि जन्म से लेकर 4 सप्ताह तक नवजात के सही विकास के लिए उसे दिन में कम से कम 10-12 बार फीड करवाना चाहिए। वहीं हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जन्म से लेकर 2 सप्ताह तक के बच्चे को हर 2 घंटे बाद दूध पिलाना चाहिए। महिलाएं इसके लिए फीडिंग पैटर्न भी बना सकती हैं। हर एक से डेढ़ घंटे के बाद बच्चे को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ब्रेस्ट फीडिंग जरूर करवानी चाहिए।

किस उम्र में कितनी बार कराएं फीडिंग

1-3 माह से बच्चे को दिन में 7-8 बार फीडिंग करवानी चाहिए। अगर इस दौरान आपको लगता है कि बच्चा भूखा है तो आप इससे ज्यादा बार भी फीडिंग करवा सकते हैं।

3-5 माह के बच्चे को दिन में 6-7 बार फीडिंग करवानी चाहिए।

वहीं 6-8 माह के बच्चे को पूरे दिन में कम से कम 6 बार फीडिंग जरूर करवाएं।

8 माह के बच्चे को पूरा दिन में 4 बार दूध जरूर पिलाना चाहिए।

9-12 माह के बच्चे के फीडिंग की संख्या उसके विकास पर डिपेंड करती है।

आजकल चलन में हैं ऐसी हरी चूड़ियां, सावन के महीने में लगती हैं बेहद खूबसूरत

सावन का महीना शुरू हो गया है। इस पूरे महीने लोग सच्चे मन से महादेव की आराधना करके उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। महिलाएं व्रत-उपवास करती हैं, इसके साथ ही सावन में सोलह श्रृंगार का भी काफी महत्व होता है। महिलाएं भोलेनाथ की पूजा करते समय 16 श्रृंगार करके हरी साड़ी और हरे रंग की ही चूड़ियां पहनती हैं। शायद ही कोई ऐसी महिला होगी जिसे हरे रंग की चूड़ियां पहनना पसंद नहीं होगा। हरे रंग की चूड़ियां देखने में तो खूबसूरत लगती ही हैं, साथ ही में सावन में इन्हें पहनने का अलग ही महत्व होता है। ऐसे में आज हम आपको सिंपल चूड़ियों की बजाय कुछ अलग

और लेटेस्ट चूड़ियों और कंगनों की डिजाइन दिखाएंगे, ताकि आप भी सावन में अलग तरीके के कंगन पहन पर इतरा सकें। ये सभी बैंगल्स आपको आसानी से बाजार में मिल जायेंगे। आप चाहे तो उसे ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं।

कुंदन जड़े कंगन

सावन के महीने में अगर आप कुछ अलग सा पहनना चाहती हैं तो कुंदन जड़े हुए हरे रंग के कंगन पहन सकती हैं। ये देखने में काफी प्यारे और क्लासी लगते हैं।

गोल्ड कड़ों के साथ चूड़ियां

नई दुल्हनें हरे रंग की चूड़ियों के साथ सोने के कड़े पहन सकती हैं। ये देखने में अच्छे लगते हैं। हल्की साड़ी पहन कर इसके साथ आप इस तरह से चूड़ियां पहन सकती हैं।

वेलवेट चूड़ियां

सावन के महीने में खूबसूरत दिखने के लिए आप सूट या फिर लाइट वेट साड़ी के साथ ग्रीन कलर की वेलवेट की चूड़ियां पहन सकती हैं।

हरा ब्रेसलेट

अगर आपको चूड़ियां पहनना पसंद नहीं हैं तो हरे रंग का ब्रसलेट आप पहन सकती हैं।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

लखीमपुर खीरी, शुक्रवार 07 जुलाई, 2023

सीरीज बचाने उतरेगा इंग्लैंड

ऑस्ट्रेलिया जीता तो एशेज पर होगा कब्जा, स्टीव स्मिथ का 100वां टेस्ट

नई दिल्ली। लीड्स लॉर्ड्स टेस्ट में जॉनी बेयरस्टो की विवादास्पद स्टंपिंग के बाद उठे तूफान से यह लगभग तय है कि आज से हेडिंग्ले में शुरू होने जा रहा तीसरा एशेज टेस्ट सामान्य नहीं होने जा रहा है। सीरीज में 0-2 से पिछड़ी इंग्लैंड की इस टेस्ट में प्रतिष्ठा दांव पर होगी। दिग्गज स्टीव स्मिथ का यह 100वां टेस्ट होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट को जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह बेयरस्टो का घरेलू मैदान होगा और यहां के दर्शक ऑस्ट्रेलियाई टीम की हूटिंग में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यही कारण है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैदान में अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। इंग्लैंड ने आठ साल से एशेज नहीं जीती है। कप्तान बेन स्टोक्स की कोशिश इस टेस्ट को बचाकर सीरीज में बने रहने की होगी। इस टेस्ट की पूर्व संध्या पर इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है, जिसमें उन्होंने तीन परिवर्तन करते हुए दिग्गज जेम्स एंडरसन के अलावा जोश टंग और चोटिल ओली पोप को बाहर कर दिया है। उनकी जगह क्रिस वोक्स, मार्क वुड और मोइन अली को शामिल किया गया है। पोप की जगह नंबर तीन पर हैरी ब्रुक को भेजा जाएगा, जबकि जॉनी बेयरस्टो से नंबर पांच पर बल्लेबाजी कराई जाएगी। इंग्लैंड में 22 टेस्ट में 94 विकेट लेने वाले वोक्स बल्लेबाजी में भी दखल रखते हैं। उनकी अपने देश में 35.25 की औसत है और वह एक शतक और पांच अर्धशतक भी लगा चुके हैं। एंडरसन ने पिछले दो टेस्ट में 75.33 की औसत से तीन विकेट लिए हैं। बेन स्टोक्स का कहना है कि उन्हें आराम दिया गया है। यह सीरीज से पहले ही तय हो गया था कि गेंदबाजी का भार आपस में बांटा जाएगा। 200 से दो विकेट दूर हैं मोइन मोइन अली बर्मिंघम में खेले थे, लेकिन अंगुली में चोट के चलते वह लॉर्ड्स टेस्ट नहीं खेल पाए थे। मोइन अपने 200 टेस्ट विकेट से दो विकेट दूर हैं। इंग्लैंड मार्क वुड की अतिरिक्त गति का फायदा उठाना चाहेगा। आईपीएल के बाद वह पहली बार प्रतियोगी क्रिकेट खेलने उतरेंगे। पिछले टेस्ट में पांच विकेट लेने वाले जोश टंग भी बाहर हैं। उन्होंने लॉर्ड्स में वॉर्नर और स्मिथ के विकेट लिए थे। यह स्टीव स्मिथ का सौवां टेस्ट होगा। 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने लेग स्पिन ऑलराउंड के तौर पर टेस्ट करियर की शुरूआत की थी। तीन साल बाद इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने अपने पहला टेस्ट लगाया और तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हेडिंग्ले में ही उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 2010 में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। अब इसी मैदान पर वह अपना सौवां टेस्ट खेलेंगे। परिस्थितियां उनके हक में नहीं होंगी, लेकिन स्मिथ को इंग्लैंड में हूटिंग की आदत हो चुकी होगी। 2019 में भी उन्हें काफी हूट किया गया था। स्मिथ लॉर्ड्स में दूसरी पारी में जब 34 रन पर आउट हुए तो सौवें टेस्ट में 60 की औसत से उतरने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बनने से रह गए। हालांकि, उनकी अभी भी औसत 59.56 की है, जो सौवें टेस्ट में आज तक किसी बल्लेबाज की नहीं रही है। परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित ऑस्ट्रेलियाई टीम ऑस्ट्रेलिया को 2019 का हेडिंग्ले टेस्ट याद होगा। यहां सेंड पेपर गेट कांड के चलते उनकी जबरदस्त हूटिंग हुई थी।

स्वियातेक तीसरे दौर में, मेदवेदेव भी जीते; आठवीं वरीय मारिया सकारी को मिली हार

विंबलडन। विंबलडन में लगातार तीसरे दिन बारिश के साये के बीच सर्वोच्च वरीय पोलैंड की इगा स्वियातेक ने तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया, जबकि रूस के तीसरी वरीय दानिल मेदवेदेव ने जीत से शुरूआत की। आठवीं वरीय ग्रीस की मारिया सकारी को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें यूक्रेन की मार्ता कोस्टयुक ने 0-6, 7-5, 6-2 से हराया। सेंटर कोर्ट पर खेल रहीं स्वियातेक ने सोरिबस टोरमो को 6-2, 6-0 से हराया। टियाफो ने चीन के वू यी बिंग को हराया मेदवेदेव ने इंग्लैंड के आर्थर फेरी को 7-5, 6-4, 6-3 से हराया। 21वीं वरीय बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने जोपान को शो शिमाबुकुरो को 6-1, 6-2, 6-1 से परास्त किया। दसवीं वरीय अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो चीन के वू यी से 7-6, 6-3, 6-4 से जीते। कनाडा के मिलोस राओनिक ने ऑस्ट्रिया के डेनिस नोवाक को 6-7, 6-4, 7-6, 6-1 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं आठवीं वरीय इटली का यानिक सिनर ने अर्जेंटीना के जुआन सेरुंडोलो को सीधे सेटों में 6-2, 6-2, 6-2 से पराजित कर दूसरे दौर में प्रवेश किया। ओस्टापेंको दूसरे दौर में पहुंचीं महिला वर्ग में रूस की दारिया कास्ताकिना ने इंग्लैंड की जोडी अना बरेज को आसानी से 6-0, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। 2017 में फ्रेंच ओपन जीतने वाली लातविया की जेलेना ओस्टापेंको ने बेल्जियम की मिनेन को 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में पहुंचीं। पहले दौर के मैच ही नहीं हुए पूरे बारिश के कारण स्थिति ये है कि ज्यादातर मैच पूरे नहीं हो पाए हैं। कई खिलाडियों को अब तक कोर्ट में कदम रखने का भी मौका नहीं मिला है। वहीं सेंटर कोर्ट और कोर्ट नंबर एक पर खेलने वाले खिलाड़ी अपने दूसरे दौर के मैच खेल रहे हैं।

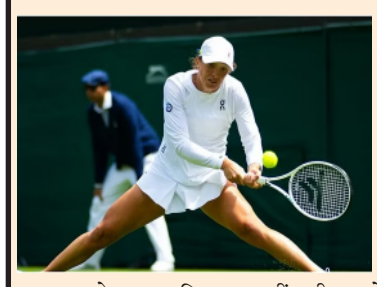

इस्तीफा दे चुके वाले चेयरमैन दीपक पारेख का 45 साल पुराना ऑफर लेटर वायरल

मुंबई। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के बीच विलय के बाद इसके चेयरमैन दीपक पारेख ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इतना ही नहीं उन्होंने ग्रुप के कर्मचारियों के साथ एक भावनात्मक चिट्ठी भी साझा की। इस बीच एचडीएफसी बैंक में उनके पहले ऑफर लेटर की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस चिट्ठी की तारीख 19 जुलाई 1978 है और इसमें पारेख की तनख्वाह से लेकर उनके अनुबंध तक की जानकारी दी गई है। अमर उजाला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पारेख के इस कथित ऑफर लेटर की सत्यापन नहीं करता। इस लेटर के मुताबिक, एचडीएफसी बैंक में उनकी नियुक्ति डिप्टी जनरल मैनेजर के तौर पर हुई थी। पारेख को 3500 रुपये की बेसिक सैलरी और 500 रुपये का महंगाई भत्ता मिलना तय किया गया था। 45 साल पुराने इस लेटर में के मुताबिक, उनकी सैलरी में 15 फीसदी हाउसिंग रेंट अलाउंस (एचआरए) और 10 फीसदी शहरी मुआवजा भत्ता (सीसीए) शामिल थे। 78 वर्षीय दीपक पारेख को एचडीएफसी बैंक में कॉरपोरेशन प्रोविडेंट फंड, ग्रैच्युटी, मेडिकल लाभ, यात्रा सुविधाएं और घर पर लगे फोन का खर्च भी मुहैया कराने से जुड़ी जानकारी इस लेटर में हैं। नाम के साथ जुड़ीं कई उपलब्धियां रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के बैंकों के लिए उम्र से जुड़े नियम बनाने की वजह से एचडीएफसी में 45 साल लंबे करियर के बाद अब पारेख बैंक के बोर्ड में भी नहीं होंगे।

चीफ सेलेक्टर अगरकर की सैलरी में 200 % इंक्रीमेंट! पहले मिलते थे एक करोड़, अब मिलेंगे इतने

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर को नया चीफ सेलेक्टर बनाया है। इस पद पर आते ही अगरकर की अगुआई में चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम चुनी। अगरकर चयन समिति में मौजूद बाकी सदस्यों से अंतरराष्ट्रीय करियर के मामले में काफी सीनियर हैं। हालांकि, वह इस पद को संभालने के लिए तैयार नहीं थे। इसकी जो सबसे बड़ी वजह थी, वह चीफ सेलेक्टर की सैलरी थी। हालांकि, बीसीसीआई ने अब उसे 200 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला लिया है। आइए पूरा मामला जानते हैं। दरअसल, चीफ सेलेक्टर के तौर पर जुड़ने से पहले अगरकर आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के असिस्टेंट कोच थे। उससे पहले वह मुंबई की सीनियर टीम के मुख्य चयनकर्ता के पद पर भी रह चुके हैं। इतना ही नहीं वह कमेंटेटर भी रह चुके हैं। ऐसे में एक कोच के रूप में उनकी सैलरी कहीं ज्यादा थी। इसके अलावा वह कई अन्य प्रोफेशनल कामों से भी जुड़े हुए थे। एक कमेंटेटर और कोच के रूप में वह मुख्य चयनकर्ता की तुलना में ज्यादा कमा सकते थे। चीफ सेलेक्टर की मौजूदा सैलरी एक साल में एक करोड़ रुपये है। पूर्व चीफ सेलेक्टर चेतन शर्मा को यही सैलरी मिल रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई अगरकर को उनके अनुभव और सिन्योरिटी की वजह से चीफ सेलेक्टर बनाना चाहता था। साथ ही बोर्ड कोई ऐसा सेलेक्टर चाहता था जिसने अंतरराष्ट्रीय करियर में टी20 भी खेला हो। इसी वजह से अगरकर इस पद के लिए आवेदन करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। अगरकर 2007 में टी20 चैंपियन बनने वाली टीम इंडिया का हिस्सा भी रह चुके हैं। वह बीसीसीआई के सभी मानदंडों पर खरे उतर रहे थे। ऐसे में बीसीसीआई ने उनकी सैलरी बढ़ाने में भी देरी नहीं की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई चीफ सेलेक्टर पद के लिए सैलरी एक करोड़ रुपये से तीन करोड़ रुपये प्रति वर्ष करने पर सहमत हो गया है। यानी इसमें करीब 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इस पर फैसला शुक्रवार को बीसीसीआई अपेक्स काउंसिल की मीटिंग में लिया जाएगा। बाकी सेलेक्टर्स की सैलरी में भी होगा इजाफा अगरकर की चयन समिति में शिव सुंदर दास, सलिल अंकोला, सुब्रतो बनर्जी और एस शरथ मौजूद हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इनकी सैलरी में भी बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, इसको लेकर कोई अपडेट नहीं है। चयन समिति के बाकी सदस्यों की सैलरी प्रति वर्ष 90 लाख रुपये है।

जीएसटी पंजीकरण में इजाफा, पंजीकृत करदाताओं की संख्या 67.83 लाख से बढ़कर 1.40 करोड़ हुई

नई दिल्ली। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) की ओर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के छह वर्ष पूरे होने पर ह्यट्रांसफॉर्मिंग द इनडायरेक्ट टैक्सेशन सिस्टमह्न विषय पर बुधवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसोचैम ने जीएसटी सिफारिशों पर एक पेपर जारी किया। सम्मेलन में वित्त मंत्रालय के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के विशेष सचिव व जीएसटी के सदस्य शशांक प्रिया ने कहा कि अनुपालन में सुधार जीएसटी राजस्व बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2023-2024 के कार्यप्रणाली में प्रतिमाह औसतन 1.69 लाख करोड़ राजस्व अर्जित कर रहे हैं। राजस्व दर के अनुरूप कर दरों में वृद्धि किए बिना राजस्व बढ़ रहा है। जीएसटी शुरू होने के समय पंजीकृत करदाताओं की संख्या 67.83 लाख थी, जो अब 1.40 करोड़ पहुंच गई है। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क के सीईओ मनीष कुमार सिन्हा ने कहा कि जीएसटी एक ऐसा डाटा तैयार करके देता है, जिसमें कोई बिंदु नहीं होता है। देश में हो रही कर चोरी को रोकने के लिए सरकार जीएसटी लाई है। वहीं, राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष कर परिषद एसोचैम के अध्यक्ष प्रतीक जैन ने कहा कि जीएसटी के कार्यान्वयन के साथ देश भर में करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है। एसोचेम के नेशनल काउंसिल ऑन डायरेक्ट टैक्स के को-चेयरमैन विनीत अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी के आने से जिंदगी आसान बन गई है।

कांत बोले- विनिर्माण-शहरीकरण के दम पर हासिल कर सकते हैं 8-9 फीसदी की उच्च वृद्धि

नई दिल्ली। भारत विनिर्माण और शहरीकरण पर ध्यान देकर 8-9 फीसदी की ऊंची विकास दर हासिल कर सकता है। जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा, जनगणना मानदंडों के हिसाब से करीब 5,500 छोटे शहरों के नियोजन की जरूरत है। इसका समाधान पर्यावरणानुकूल शहरीकरण है। इसमें देश में वृद्धि को गति देने के काफी अवसर हैं। कांत ने कहा कि अगर भारत को दीर्घकाल में निरंतर वृद्धि हासिल करनी है तो हर मोर्चे पर आगे बढ़ना होगा। ऐसा नहीं हो सकता कि आप सिर्फ सेवा क्षेत्र पर निर्भर रहें, जैसा कुछ अर्थशास्त्री कह रहे हैं। नौकरियां बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में काम करना होगा। मध्य वर्ग बने विकास गाथा का चालक नीति आयोग के पूर्व सीईओ ने कहा, 2047 तक भारत के पूर्ण विकसित देश बनने का सपना वास्तव में यह दशार्ता है कि मध्य वर्ग को इसकी विकास गाथा का मुख्य चालक बनने की जरूरत है। मध्य वर्ग का उदय उस आर्थिक बदलाव का संकेत है, जो देश में दशकों से आया है। यह वर्ग आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक विकास को आगे बढ़ाने की ताकत रखता है। विकास दर हासिल होगी : अमिताभ जी-20 के शेरपा अमिताभ कांत का मानना है कि विनिर्माण और शहरीकरण पर ध्यान देने से 8-9% की उच्च विकास दर हासिल की जा सकती है। टिकाऊ शहरीकरण ही आगे का रास्ता है। कांत बुधवार को पीपल रिसर्च ऑन इंडिया कंज्यूमर इकोनॉमी (प्राइज) की ओर से द राइज ऑफ इंडिया मिडिल क्लास के विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। भारत के मध्यम वर्ग का उदय शीर्षक से रिपोर्ट जारी करने के मौके पर कांत ने कहा कि उभरता हुआ मध्यम वर्ग भारत में निरंतर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विकास को चलाने की अपार शक्ति रखता है। प्राइज के एमडी और सीईओ राजेश शुक्ला ने कहा कि एक सर्वेक्षण में पाया गया है।

डेबिट-क्रेडिट कार्ड का कहीं भी उपयोग कर सकेंगे ग्राहक, आरबीआई के नए नियम से रुपे कार्ड को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। अब डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कहीं भी किया जा सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि कार्ड खास नेटवर्क के लिए जारी नहीं किया जाएगा। इसे सभी नेटवर्क पर इस्तेमाल करने की छूट होनी चाहिए। इस संबंध में इन कार्डों के नियमों के बदलाव संबंधी प्रस्ताव जारी किया गया है। यह एक अक्तूबर से लागू हो सकता है। आरबीआई ने इस प्रस्ताव पर आम लोगों से राय मांगी है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले के बाद डेबिट, प्री-पेड कार्ड के नियम बदल सकते हैं। आरबीआई का मकसद कार्ड नेटवर्क की भूमिका मर्चेंट (दुकानदार) और कार्ड जारीकताओं के बीच लेनदेन को सुविधाजनक बनाना है। अभी तक ऐसा होता है कि कुछ क्रेडिट या डेबिट कार्ड कहीं-कहीं नहीं चलते हैं। ऐसा आमतौर पर मर्चेंट (दुकानदारों) के साथ भुगतान के समय होता है। कुछ क्रेडिट कार्ड केवल चुनिंदा दुकानदारों के साथ ही स्वैप हो सकते हैं। हर मर्चेंट सभी नेटवर्क स्वीकार नहीं करता है। कहीं वीजा कार्ड नहीं चलता है तो कहीं मास्टर कार्ड नहीं चलता है। रुपे कार्ड को मिलेगा बढ़ावा सरकार की ओर से रुपे कार्ड को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई नए नियम ला रहा है। क्योंकि अमेरिकी वीजा और मास्टरकार्ड ही आमतौर पर कार्ड सुविधाएं उपलब्ध कराती है। साथ ही इनके नेटवर्क में रुपे कार्ड का प्रवेश नहीं होता है। नेटवर्क का मिलेगा विकल्प कार्ड जारीकर्ता अपने ग्राहकों को कई कार्ड नेटवर्कों में से किसी एक को चुनने का विकल्प प्रदान करेंगे। इस विकल्प का उपयोग ग्राहक या तो जारी होने के समय या उसके बाद किसी भी वक्त कर सकते हैं।

विकसित देशों में 37 फीसदी घटा विदेशी निवेश, 2022 में भारत समेत इन पांच देशों में आया सबसे ज्यादा एफडीआई

नई दिल्ली। दुनिया के विकसित देशों में पिछले साल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 37 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि भारत में 10 फीसदी अधिक विदेशी निवेश आया है। इस दौरान एशियाई विकासशील देशों में 2021 की तरह ही 662 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर मिले कुल एफडीआई का करीब आधा है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) की बुधवार को जारी वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट-2023 के मुताबिक, 2022 में विकसित देशों में कुल 378 अरब डॉलर का एफडीआई आया। वहीं, भारत में 49 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। पिछले साल जिन पांच देशों में सबसे ज्यादा करीब 80 फीसदी एफडीआई आया, उनमें भारत, चीन, सिंगापुर, हांगकांग और संयुक्त अरब अमीरात शामिल है। चीन में एफडीआई 5 फीसदी बढ़कर 189 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, हांगकांग में यह 16 फीसदी घटकर 118 अरब डॉलर रह गया। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में इसलिए?निवेश बढ़ रहा है क्योंकि वह तेजी से विकास की राह पर बढ़ रहा है।?भारत सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रही है।?कई?क्षेत्रों में तेजी से सुधार हो रहा है।? कुल वैश्विक एफडीआई में 12 फीसदी गिरावट रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल वैश्विक एफडीआई 12 फीसदी घटकर 1.3 लाख करोड़ डॉलर रह गया। यूक्रेन युद्ध, खाने-पीने की वस्तुओं एवं ऊर्जा की कीमतों में तेजी और सार्वजनिक कर्ज बढ़ने की वजह से वैश्विक एफडीआई में गिरावट आई है। सिंगापुर में सबसे ज्यादा 141 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया, जो 2021 के मुकाबले 8 फीसदी अधिक है। वियतनाम में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 39 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ?अब तक के उच्च स्तर 17 अरब डॉलर पर पहुंच गया। नवीकरणीय ऊर्जा में जरूरत से कम निवेश... अंकटाड की रिपोर्ट से पता चलता है कि विकासशील देशों को 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) हासिल करने के लिए सालाना निवेश घाटे का सामना करना पड़ रहा है। लक्ष्य पाने के लिए जितने निवेश की जरूरत है, उससे कम निवेश मिल रहा है। यह निवेश घाटा अब बढ़कर 4 लाख करोड़ डॉलर पहुंच गया है, जो 2015 में 2.5 लाख करोड़ डॉलर था। विकासशील देशों को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में हर साल करीब 1.7 लाख करोड़ डॉलर के निवेश की जरूरत है, जबकि उन्हें 2022 में सिर्फ 544 अरब डॉलर का निवेश मिला।

भारत में नए कारोबार और रोजगार सृजन में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जून में सुस्त पड़कर तीन माह के निचले स्तर पर आ गई हैं। हालांकि, सेवाप्रदाता मांग के लगातार सकारात्मक बने रहने का संकेत दे रहे हैं, जिससे नए कारोबार की मात्रा और रोजगार सृजन में वृद्धि हुई है। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई (खरीद प्रबंधक सूचकांक) कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून में घटकर 58.5 पर आ गया। मई में यह 61.2 रहा था। सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में लगातार 23वें महीने विस्तार देखने को मिला। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में एसोसिएट निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लीमा ने कहा, जून में भारतीय सेवाओं की मांग ऊंची रही। निगरानी वाले सभी चार उप-क्षेत्रों के नए कारोबार में तेज वृद्धि हुई। इससे रोजगार के आंकड़े भी बेहतर हुए हैं। यह निकट अवधि की वृद्धि की संभावनाओं के लिहाज से अच्छा है। कीमतों के मोर्चे पर मिला-जुला रुख कीमतों के मोर्चे पर मिला-जुला रुख देखने को मिला है। उत्पादन लागत की वृद्धि दर धीमी रही है। हालांकि, इसे विनिर्माण के साथ जोड़ने पर निजी क्षेत्र के लिए उत्पादन मूल्य में वृद्धि करीब एक दशक में सबसे ऊंची रही है। सर्वे में शामिल 10 में से एक कंपनी ने खाने-पीने के सामान और मजदूरी की लागत का हवाला देकर कहा कि उसका परिचालन खर्च बढ़ा है। 9% तक रहेगी एफएमसीजी क्षेत्र की वृद्धि दर ग्रामीण?मांग में सुधार से चालू वित्त वर्ष के दौरान एफएमसीजी क्षेत्र में वृद्धि की रफ्तार 7-9 फीसदी रह सकती है।?क्रिसिल रेटिंग्स ने बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा कि कुल बाजार में 65 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाली शहरी मांग स्थिर है।?एफएमसीजी क्षेत्र में अधिक मांग ग्रामीण?इलाकों से आ?रही है, जिसका कुल मांग में 35-40 फीसदी का योगदान है। कारोबार बढ़ाने के लिए अमेरिका समेत 12 देशों की पहचान वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कारोबार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। इसके तहत अमेरिका और ब्रिटेन सहित 12 देशों की पहचान की गई है। एक अधिकारी ने बताया, योजना के तहत प्राथमिकता वाले देशों में अमेरिका, ब्राजील, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया और रूस के लिए योजना बनाई गई है।

शनाया कपूर की झोली में आई ये पैन इंडिया फिल्म

साउथ मूवी से करने जा रहीं एक्टिंग डेब्यू

बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर की लाडली बेटी शनाया कपूर बीते लंबे समय से अपने एक्टिंग डेब्यू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। करण जौहर ने अपने धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले शनाया को लॉन्च करने का एलान किया था। इसी कड़ी में शनाया के साउथ डेब्यू को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो, शनाया पैन इंडिया फिल्म के जरिए अपना एक्टिंग डेब्यू करने जा रही हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक शनाया कपूर, मोहनलाल की फिल्म 'वृषभ' से साउथ डेब्यू करेंगी। एकता कपूर के जरिए निर्मित इस फिल्म के कलाकारों का हिस्सा होने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। अब एक मीडिया रिपोर्ट में इस पैन इंडिया फिल्म में शनाया के रोल के बारे में अधिक जानकारी दी गई है। 'वृषभ' का डायरेक्शन नंद किशोर करने वाले हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 'कहानी एक पिता और पुत्र के रिश्ते के बारे में है। वृषभ में शनाया कपूर की एक बहुत ही गतिशील भूमिका है। यह एक पीरियड फिल्म है, जिसमें अतीत और वर्तमान दोनों का समावेश है। शनाया इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, क्योंकि वह वह हैं जो अतीत और वर्तमान को जोड़ती हैं। भूमिका ग्लैमरस और परफॉर्मेंस ओरिएंटेड दोनों है। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा है।' मोहनलाल स्टारर फिल्म 'वृषभ' को डायरेक्टर एसएस राजामौली की तेलुगू सुपरहिट फिल्म 'मगधीरा' के समान बताया जा रहा है। फिल्म प्यार और बदले पर केंद्रित है, और एक ऐसी कहानी बताती है जहां हम देखते हैं कि क्या प्यार बदले पर जीत हासिल करता है या नहीं। इसे मुख्य रूप से तेलुगू और मलयालम में शूट किया जाएगा और इसे एक दक्षिण भारतीय फिल्म माना जा रहा है, जो पूरे भारत में रिलीज होगी।

खत्म हुआ सलमान खान और संजय लीला बंसाली का झगड़ा, दोस्ती-यारी के लिए नहीं बनाएंगे एक्टर फिल्म

बॉलीवुड के दबंग हीरो कहे जाने वाले सलमान खान की हालिया फिल्म किसी का भाई किसी की जान बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास धमाल नहीं कर पाई। इस फिल्म में बॉलीवुड के काफी दिग्गज कलाकारों को देखा गया था। इस फिल्म में नॉनसेन्स केसिंग को लेकर सलमान खान को उसकी भरपाई करनी पड़ी जोकि बिलकुल उम्मीदों से परे थी। हलाकि अब ऐसा लग रहा है कि सलमान खान अपने गुड जेस्चर और पर्सनालिटी को मैनटैन करने के लिए ही फिल्मो में भागीदारी लेते है। वही अब खबरे सामने आई है कि सलमान खान ने एक बार फिर संजय लीला बंसाली से संपर्क किया है। बता दे, बॉलीवुड में फिल्म मेकिंग के लिए संजय लीला बंसाली एक जाना माना नाम है। कभी-कभी कुछ अच्छी फिल्मे लाने के लिए उनकी फिल्म एक या दो साल नहीं बल्कि दस-दस सालो तक लांच होने का समय लेती है। इस बात का एक्साम्प्ले है साल 1999 में आई फिल्म हम दिल दे चुके सनम। जो के साल के कड़े संघर्ष के बाद साल 2000 में लांच हुई थी। वही मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो सलमान इस वक्त अपने लिए अच्छी स्क्रिप्ट ढूंढ रहे हैं और अच्छी स्क्रिप्ट का मतलब एक्शन से भरी और ड्रामा से भरपूर नहीं बल्कि कुछ ऐसा जिसे सलमान खान ने अब तक नहीं किया हो।

ऋचा चड्ढा

पहली फिल्म के दौरान हुई थी भेदभाव का शिकार, वैनिटी से बाहर फेंक दिया था सामान

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस अक्सर सामाजिक और राजनितिक मुद्दों पर अपनी राय खुलकर रखती हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस ने अपने साथ फिल्म इंडस्ट्री में हुई एक ऐसी घटना का जिक्र किया है जिसके बारे में आज तक किसी को कानों- कान खबर नहीं थी। आपको बता दें, ऋचा चड्ढा ने अपनी एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। मगर इस दौरान उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वो कई बार लोगों के बूरे बर्ताव का शिकार हुई हैं। इतना ही नहीं अपने करियर के शुरूवाती दिनों में एक्ट्रेस को भेदभाव का भी सामना करना पड़ा। दरअसल, ऋचा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में खुद इस बात का खुलासा किया है कि उनकी पहली ही फिल्म में उनके साथ भेदभाव हुआ था, जिसका उन्हें काफी बुरा लगा था। आपको बता दें, इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या उन्होंने कभी भेदभाव का सामना किया है। जिसके जवाब ने एक्ट्रेस ने सालो पुराना ये पूरा किस्सा सुनाया। ऋचा चड्ढा ने कहा, मेरे साथ ऐसा कई बार हुआ है। मेरी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैंने बुरा महसूस किया है। मैं श्ओए लकी, लकी ओएश्र की शूटिंग के दौरान सीधे कॉलेज से आकर शूट करती थी। तब मुझे 103-104 फीवर हुआ करता था। किसी ने मुझसे कहा था कि अभी ये जो वैनिटी है उसका एक्टर देरी से आने वाला है और मुझे पूरे दिन शूट करना है, तो मैं तैयार होकर आ जाऊं। एक्ट्रेस ने आगे बताया, श्जब मैं सेट पर तैयार होकर गई। तो बाद में मेरा इस्तेमाल किया हुआ सामान किसी ने फेंक दिया था। जबकि, वो सामान भी मेरा नहीं था। मेरा कुछ भी नहीं था। वो सब कंपनी का था। उन्होंने वो सब फेक दिया। लिपस्टिक खराब हो गई। किसी का आईना टूट गया। मुझे बहुत बुरा लगा। मुझे लगा, ये कैसे कर सकते हैं। आपको बता दें कि ऋचा चड्ढा और अली फजल अब फिल्म मेकर भी बन चुके हैं। उन्होंने सेट पर इक्वलिटी बनाए रखने पर भी बात की है। उन्होंने कहा, श्हम इसे लेकर विवाद नहीं करते कि कौन अच्छे होटल में रुकेगा और कौन बुरे में रुकेगा। जहां सब लोग रुकते हैं। वही मैं भी रुकती हूं और अली भी वही रुकता है। हम ऐसा महसूस नहीं कराते कि हम बहुत बड़े हैं।

एफिल टॉवर के सामने सुष्मिता सेन ने बेटी के साथ लगाए ठुमके

बॉलीवुड की डीवा कही जाने वाली सुष्मिता सेन इन दिनों खूब सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल सुष्मिता सेन अपने पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों ही लाइफ को लेकर लाइमलाइट बटोर रही हैं। ऐसे में एक्ट्रेस अपने बिजी सेडुल से टाइम निकालकर वेकेशन पर निकल गयी हैं। जहां से उनकी कई फोटोज और वीडियो जमकर वायरल होती हुई दिख रही हैं। इस वेकेशन पर सुष्मिता अपनी बेटी के साथ पहुंची हैं। जहां से उनकी डांस की वीडियो जमकर वायरल होती नजर आ रही हैं। दरअसल सुष्मिता सेन इस समय पेरिस में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने पेरिस से बेटी अलीशा सेन के साथ एक बहुत ही प्यार वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है, जिसमें दोनों एफिल टावर के सामने डांस करते हुए नजर आए। इस वीडियो में सुष्मिता की छोटी बेटी अलीशा सेल्फी बूथ में इंजॉय करती हुई दिखाई दीं। इसके बाद सुष्मिता भी उन्हें ज्वाइन करती हैं ,इस दौरान दोनों काफी खुश लग रही हैं। वीडियो में सुष्मिता ब्लैक ड्रेस के साथ व्हाइट ब्लेजर में नजर आईं। वही अलीशा ऑल व्हाइट लुक में दिखाई दे रही हैं। दोनों ने एफिल टावर के सामने डांस भी किया। वीडियो शेयर करते हुए लिखा, विदेश में पढ़ाई के लिए जाने से पहले मेरी शोना की पहली पेरिस ट्रिप। समय कितनी जल्दी बीत जाता है। मैं हमेशा हमारा डांस याद करूंगी, आई लव यू। बता दें, सुष्मिता की दो बेटी हैं। बड़ी बेटी रेने बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं और अलीशा अभी पढ़ाई कर रही हैं। वही अब सुष्मिता के इस वीडियो पर फैंस जमकर प्यार बरसाते दिख रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपना रिएक्शन देते भी नजर आ रहे हैं। वीडियो पर कमेंट कर यूजर्स लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जहां एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है की- आप कैसे अभी भी इस दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला लग सकती हैं। तो वही एक यूजर ने कमेंट कर लिखा है की-कितनी धन्य हैं ये बेटियाँ जो एक दिन मां की तरह ही सर्वश्रेष्ठ महिला बनेंगी, इन खूबसूरत से महिलाओं को ढेर सारा प्यार, भाग्य और खुशियाँ।

काम्या पंजाबी के शो नीरजा के सेट पर घुस आया तेंदुआ

पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी इन दिनों एक नए शो में नजर आ रही हैं। काम्य पंजाबी को अब शो नीरजा में देखा जा रहा है। वहीं, अब इस शो से जुड़ी एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हाल ही में इस शो के सेट पर कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद खूब हंगामा

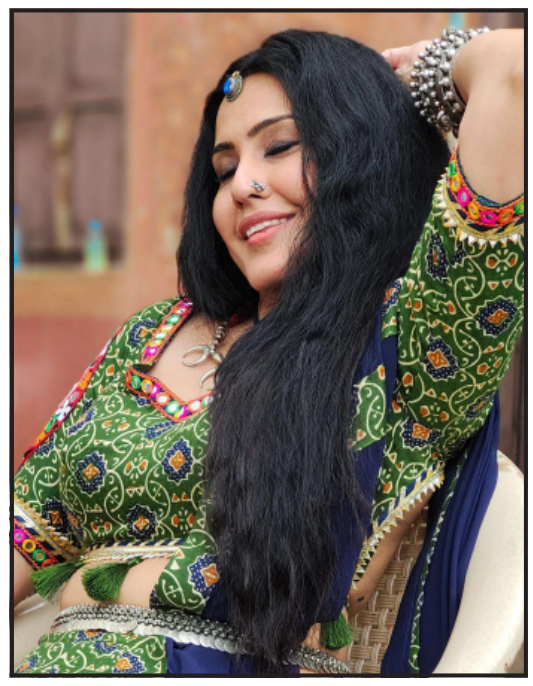

मच गया। अचानक ही शो के सेट पर एक जंगली जानवर घुस आया जिसकी वजह से सभी लोग घबरा गए। जी हां, ऐसी खबरें सामने आ रही है कि नीरजा के सेट पर एक तेंदुआ घुस गया। जिसके बाद हर तरफ अफरा-तफरी मच गई और डर के मारे सेट पर मौजूद लोगों का बुरा हाल हो गया। आपको बता दें, हाल ही में नीरजा के शुरूआत के कुछ एपिसोड कोलकाता में शूट किए गए थे, जिसके बाद अब मुंबई फिल्मसिटी में एक इवेंट रखा गया। शो की पूरी स्टार कास्ट और क्रू मेंबर्स वहां मौजूद थे, इसी बीच वहां एक तेंदुआ आ गया और सबकी हालत टाइट हो गई। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मुंबई के गोरेगांव इलाके में फैले जंगल में तेंदुए समेत बाकी कई जंगली जानवर हैं और इस वजह से वो आसपास रहने वाले लोगों को दिखते रहते हैं। ऐसे में कई बार ये जंगली जानवर सेट पर भी घुस आते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेंदुआ श्नीरजारू एक नई पहचानश के सेट के छज्जे से घुसा। इतना ही नहीं सेट से तेंदुए का वीडियो भी सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि सेट की छत पर काफी सारे बंदर थे, जो वहां बारिश की वजह से छुपे हुए थे। तेंदुआ उन बंदरों पर हमला करने के इरादे से सेट पर घुसा। लेकिन लोगों की भीड़ देखकर वो पीछे हट गया। भले ही तेंदुआ वहां से हट गया, पर उसे देखकर सेट पर लोगों के चेहरे पर डर साफ नजर आ रहा था। बात अगर टीवी शो नीरजा एक नई पहचान की करें तो ये शो 10 जुलाई से कलर्स पर शुरू हो रहा है। इस शो में स्नेहा वाघ और काम्या पंजाबी नजर आने वाली हैं।

बिग बॉस ओटीटी 2 फेम पुनीत सुपरस्टार के खिलाफ भोपाल में एफआईआर दर्ज

इन दिनों बिग बॉस ओटीटी 2 को लेकर चर्चा होती दिखाई दे रही है और वो चर्चा किसी और के लिए नहीं बल्कि पुनीत सुपरस्टार को लेकर हो रही है। बता दे पुनीत सुपरस्टार की शो से 24 घंटे के अंदर बहार होते दिखाई दिए थे। लेकिन सोशल मीडिया पर लोग उन्हें पहले से सीजन का विनर बता रहे थे। वही फैंस का दवा था कि पुनीत सुपरस्टार श्बिग बॉस ओटीटी 2 में बाकी सभी कंटेस्टेंट्स पर भारी पड़ने वाले हैं। सलमान खान द्वारा

होस्ट किये जाने वाले शो बिग बॉस में आए पुनीत सुपरस्टार की मुश्किलें अब बढ़ती दिखाई दे रही है। दरअसल पुनीत सुपरस्टार के खिलाफ अब फैजान अंसारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फैजान ने भोपाल पुलिस में एक एफआईआर पुनीत सुपरस्टार के खिलाफ दर्ज करवाई है। फैजान के अनुसार पुनीत सुपरस्टार ने उन्हें एक अनपढ़ इंसान बताया था, जिसमे तमीज नहीं है और वो घर में उस जगह के लिए अयोग्य है जहां हर कोई जेंटल और एडुकेटेड माना जाता है। फैजान की इस स्टेटमेंट के अनुसार उन्हें लोगों से धमकी भरे मैसेज मिल रहे थे और ये मैसेज अलग अलग चौनल्स से भेजे जा रहे थे। वही इन मैसेज में टेक्स्ट,इ-मेल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक के शिकायतकर्ता को दी गई धमकियों का नेचर गंभीर और क्रूर बताया गया है। पुनीत सोशल मीडिया पर अपने डायलॉग्स के कारण फेमस है आए दिन पुनीत कक्की वीडियो सोशल मीडिया पर दिखाई देती है साथ ही उनकी स्क्रिप्ट के कुछ डॉयलोग्स भी लोग काफी पसंद करते है। पुनीत कुमार का सिर्फ एक नहीं, बल्कि कई इंस्टाग्राम अकाउंट हैं, जहां उन्होंने अपना वॉट्सऐप नंबर भी शेयर किया हुआ है।

हिन्दी दैनिक
मेरी जुबान

लखीमपुर खीरी, शुक्रवार 07 जुलाई, 2023

बढ़ने लगा गंडक का जलस्तर, बांसी नदी भी उफनाने को बेताब

पडरौना। गंडक नदी का जलस्तर मंगलवार से फिर बढ़ता जा रहा है। हालांकि, इसकी गति अभी धीमी है। फिर भी गंडक नदी चेतावनी के निशान को पार कर गई है। बुधवार को सुबह डिस्चार्ज 1.29 लाख क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया। इससे गंडक के किनारे बसे गांवों के लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। इससे निकली बांसी नदी में भी पानी बढ़ने लगा है, जिससे तमकुहीराज तहसील क्षेत्र में गोलाघाट-जोगनी मार्ग पर कटान का खतरा बढ़ गया है। खड्डा। वाल्मीकि गंडक बैराज से बुधवार को नदी में एक लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया। इससे जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार कर गया। नदी चेतावनी के निशान से 22 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गई। हालांकि, पूर्व के वर्षों में गंडक के निशाने पर आने वाले महदेवा गांव के पास नदी की धारा धीमी व परिवर्तित होने से स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। बुधवार की सुबह छह बजे गंडक नदी का डिस्चार्ज 1,26,000 क्यूसेक था। सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक 1,16,500 क्यूसेक दर्ज किया गया। डिस्चार्ज के सापेक्ष खड्डा क्षेत्र के भैसहां गेज स्थल पर सुबह आठ बजे चेतावनी बिंदु से 22 सेंटीमीटर ऊपर 95.22 मीटर था। दोपहर 12 बजे छह सेंटीमीटर की कमी आई और 95.16 मीटर था। शाम चार बजे नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 18 सेंटीमीटर ऊपर 95.18 मीटर था। खड्डा। क्षेत्र के महदेवा के पास नदी का बहाव धीमा व धारा परिवर्तित होने से दस दिनों से इस गांव की तरफ कटान नहीं हुई। इससे इस गांव के आस स्थिति सामान्य बनी हुई है। पिछले चार वर्ष से महदेवा गांव गंडक के निशाने पर बना रहा है। पिछले वर्ष नदी के एकदम करीब होने के चलते 22 परिवारों को विस्थापित करने की घोषणा तहसील प्रशासन ने की थी। हालांकि, इस पर अब तक अमल नहीं हो सका है। बांध की जगह परक्युपाइन लगाकर कटान रोकने का प्रयास दो वर्ष से चल रहा है। इस वर्ष भी यही उपाय किए गए हैं। लगभग दस दिन से नदी की धारा कटान वाली जगह से दूसरी ओर मुड़ गई है। बहाव भी धीमा हो गया है। इस वजह से कोई कटान नहीं हुई है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नथुनी कुशवाहा, पूर्व प्रधान जितेंद्र एवं रमायन गुप्ता, भीमबली आदि ने बताया है कि फिलहाल दस दिन से कोई कटान नहीं हुई है। धारा भी बदलने से सिल्ट जमा हो रही है। दस दिन से राहत है। तमकुहीरोड। गंडक नदी में हो रहे पानी के डिस्चार्ज के चलते अब बांसी नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। इससे गोलाघाट-जोगनी संपर्क मार्ग पर भी खतरा मंडराने लगा है। क्योंकि बांसी नदी संपर्क मार्ग से चार पांच मीटर की दूरी पर आ गई है। इस क्षेत्र के लोगो का कहना है कि यदि समय रहते नदी को मार्ग के पास आने से नही रोका गया तो संपर्क मार्ग को खतरा हो सकता है। गंडक नदी में पानी का डिस्चार्ज लगातार बढ़ने से अब बांसी नदी भी उफान पर आने लगी है। इससे गोलाघाट से जोगनी जाने वाले संपर्क मार्ग पर खतरा मंडराने लगा है। क्योंकि जो नदी पिछले साल संपर्क मार्ग से 25-30 मीटर की दूरी पर बहती थी, वह अब मार्ग से चार पांच मीटर की दूरी पर आकर बहने लगी है। इससे इस मार्ग से नियमित आवाजाही करने वाले राजपुर खास, गोलाघाट, इमिलिया टोला, बुटन टोला, प्रभुनाथ चौराहा, नौका टोला, जोगनी के लोगों को आशंका है कि बांसी नदी के दबाव से संपर्क मार्ग को कोई क्षति पहुंचती है तो बरसात में उनकी आवाजाही प्रभावित हो सकती है। कारण यह कि मार्ग हर साल आने वाली बाढ़ के पानी के चलते पहले से ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर जगह जगह गड्ढों में तब्दील हो चुका है। नदी का दबाव झेलने की स्थिति में नहीं है। ग्राम प्रधान रामाजी निषाद, क्षेत्र पंचायत सदस्य सरल शर्मा, यमुना सिंह, ध्रुव निषाद, पन्नालाल यादव, शिवजी रजक, संजय सिंह, विश्वनाथ चौधरी सहित अनेक लोगों ने प्रशासन से नदी को संपर्क मार्ग तक आने से रोकने के लिए पुख्ता प्रबंध कराए जाने की मांग की है।

दुबई के शेख हुए काशी के 'कटहल' के दीवाने, पहली बार विदेश से आई ये मांग, तैयारियों में जुटे किसान

वाराणसी। आम और हरी सब्जियों के बाद दुबई के शेख अब काशी के कटहल का स्वाद चखेंगे। पहली बार दो क्विंटल पके हुए कटहल की मांग है। अगले सप्ताह परवल, बोड़ा और कटहल भेजने की तैयारी है। बीते तीन साल में लंदन, दुबई जैसे देशों में सब्जियों का निर्यात तेजी बढ़ा है।

आम, जामुन, भिंडी, लौकी, कुंदरू, बैगन, नेनूआ, तोरई, हरी मिर्च, मटर, सूरन के निर्यात के बाद कटहल की मांग की की गई है। ढाई साल में 70 टन तक सब्जियों का निर्यात कर चुके निर्यातक किसान हौसला प्रसाद ने बताया कि पहली बार दुबई से पके हुए कटहल की मांग आई है। चार किलों के गोल आकार के कटहल की मांग है। जिले में कुछ किसानों के पास गिने चुने पेड़ हैं। लेकिन सभी निर्यात के मानकों को पूरा नहीं कर पा रहे। कुछ किसानों से के यहां कटहल पकाने का काम किया जा रहा है अगले सप्ताह भेजने की तैयारी है। जिले में कटहल का उत्पादन बढ़ाने की तैयारी उद्यान अधिकारी सुभाष कुमार ने बताया कि जिले में कटहल के पौधे कम हैं। इसका क्षेत्रफल बढ़ाने की तैयारी है। जिले के सभी विकास खंड में दो हेक्टेयर क्षेत्रफल में अच्छी प्रजाति के कटहल के पौधे लगाने लक्ष्य मिला है। इसके लिए किसानों को अनुदान भी दिया जाएगा।

अटल विहारी वाजपेयी मिनी स्टेडियम का हुआ लोकार्पण

पडरौना। गोडरिया क्षेत्र के नरहवा अचरज दुबे गांव में 18 लाख रुपये की लागत से बने भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी मिनी स्टेडियम का लोकार्पण हुआ। इसके बाद गांव के युवाओं ने वहां खेलना शुरू कर दिया। फाजिलनगर के विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि शहर की हर सुविधाएं अब गांवों तक पहुंच रही हैं। इस गांव में बने मिनी स्टेडियम से क्षेत्र के युवाओं में खेल प्रतिभा का निखार होगा। ओपन जिम से फिट रहने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि मिनी स्टेडियम में वॉलीबॉल, बैडमिंटन, झूला और कुश्ती के अभ्यास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। लोकार्पण कार्यक्रम को ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि लल्लन गौंड, ग्राम प्रधान रिंकी देवी, सोनू जायसवाल, दीपराज खरवार आदि ने संबोधित किया। इस दौरान विजय सिंह, नवीन ओझा, अशोक गौंड, आशीष सिंह, ओपी मल्ल, हरकेश बहादुर नायक, रामानंद उपाध्याय, शमानंद तिवारी, तारिक अली, राकेश मौर्या, हरकेश मद्धेशिया आदि मौजूद रहे।

महंगाई से परेशान जनता की समस्या का समाधान निकालें सरकार

भदोही। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मो.आरिफ सिद्दिकी के नेतृत्व में बुधवार को तहसील पहुंचे सपा कार्यकताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी शिव प्रकाश यादव को सौंपा। मांग किया कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाके लोगों को तत्काल आयुष्मान कार्ड और राशन कार्ड बनवाया जाएं और सरकार महंगाई से परेशान जनता की समस्या का समाधान निकालें। आरिफ सिद्दिकी ने कहा कि भदोही नगर में बिजली रोस्टरिंग का कोई समय नहीं रह गया है। अंधाधुंध कटौती से लोग परेशान है। इसे तत्काल बंद कर तहसील क्षेत्र को 24 घंटे आपूर्ति कराई जाए। उन्होंने कहा कि महंगाई से जनता परेशान है। इसे देखते हुए शासन कैंप लगाकर लोगों को टमाटर, अदरक, धनिया पत्ती सस्ते दाम में उपलब्ध कराएं। उन्होंने पिपरीस ग्रामसभा के ग्राम वासियों को आवास के लिए पट्टे पर भूमि दिए जाने की मांग की। चेताया कि अगर 15 दिवस के अंदर मांगे पूरी नहीं हुई तो समाजवादी धरना-प्रदर्शन करने पर बाध्य होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में नान्हक यादव, बाबा बिंद, घनश्याम यादव, प्रमोद यादव, श्यामधर यादव, प्रेम यादव, जटाशंकर मौर्य, मो.इसराइल अंसारी, रऊफ हाशमी, धर्मराज यादव, अभिषेक यादव, अरशद अंसारी, सदन लाल सरोज, राम बाबू मौर्य, मो.अलीम, जुल्फेक्कार अंसारी, संदीप यादव एडोकेट, इरशाद अंसारी, फारूक अन्सारी आदि रहे।

देहरादून के डॉक्टर की डिग्री चुराकर कुशीनगर में होता रहा इलाज, चुराने वाला भी डॉक्टर

पडरौना/हाटा (कुशीनगर)। जिले में सिर्फ उधार और किराए पर ही नहीं, चोरी की डिग्री पर भी अस्पतालों का पंजीकरण किया गया है। हाटा क्षेत्र के सुकरौली में स्थित एक अस्पताल पर मुकदमा दर्ज होने के बाद यह बात सामने आई है। अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही करने का मरीज ने मुकदमा दर्ज कराया तो डिग्री के आधार पर जांच करते हुए पुलिस देहरादून के डॉक्टर के पास पहुंची। डॉक्टर ने जब पूरा मामला जाना तो वह दंग रह गए। क्योंकि डॉक्टर कभी कुशीनगर आए ही नहीं हैं। बताया जा रहा है कि उनकी डिग्री बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सर्जरी की पढ़ाई के दौरान जमा थी। आशंका है कि वहीं से डिग्री की फोटो कॉपी निकाली गई होगी। बताया जा रहा है कि हाटा कोतवाली क्षेत्र के तितिला में स्थित अनुष्का हॉस्पिटल का पंजीकरण मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में डॉ. विकास सिंह की डिग्री के आधार पर वर्ष 2018 में किया गया था। इस अस्पताल में अपने आप को डिग्रीधारी डॉक्टर बताने वाले कई झोलाछाप न सिर्फ इलाज करते थे, बल्कि ऑपरेशन भी करते थे। इसी बीच एक मरीज के पेट का ऑपरेशन इस अस्पताल में किया गया और कॉटन उसके पेट में ही छोड़ दिया। कुछ दिनों के बाद जब मरीज की हालत बिगड़ने लगी तो परिवार के लोगों ने उसे गोरखपुर में इलाज के लिए भर्ती कराया। वहां अस्पताल की इस लापरवाही का पता चला। उसके बाद मरीज के परिवारवालों ने हाटा कोतवाली में अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। तब स्वास्थ्य विभाग ने 28 जून 2022 को इस अस्पताल को सील कर दिया। दर्ज मुकदमे में जब पुलिस की जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि नोएडा निवासी डॉ. विकास सिंह की डिग्री के आधार पर उस अस्पताल का पंजीकरण किया गया था। पुलिस ने जब डॉक्टर विकास सिंह से संपर्क साधा तो पता चला कि वह कभी कुशीनगर न तो गए और न ही उनकी डिग्री पर अस्पताल संचालित होने की जानकारी ही है। उन्होंने आशंका जताई कि जब वह गोरखपुर में सर्जरी की पढ़ाई कर रहे थे तो वहां उनकी डिग्री जमा की गई थी। हो सकता है कि वहीं से डिग्री चुराकर फर्जी ढंग से उस पर अस्पताल का पंजीकरण करा लिया गया हो। जांच में मिला कि चोरी की गई थी डॉक्टर की डिग्री, चुराने वाला भी डॉक्टर इस मुकदमे की तफ्तीश कर रहे हाटा के सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार ने बताया कि जांच अभी चल रही है। देहरादून के डॉक्टर विकास सिंह को बुलाया गया था। उन्होंने अपनी बात रखी है। जो प्रथमदृष्टया सही प्रतीत हो रहा है। विभाग के लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच में पाया गया है कि डिग्री चुराने वाला भी एक डॉक्टर है और इसी तरह के मामले में जेल में है। पूरी जांच होने के बाद ही मामला साफ होगा।

दस दिनों में घट गई टमाटर की 65 क्विंटल खपत

गौरीगंज (अमेठी)। टमाटर की कीमतों में हुई बढ़ोत्तरी का असर कारोबार पर भी पड़ा है। बीते दस दिनों के भीतर टमाटर की खपत 65 क्विंटल घट गई। इतना ही नहीं, अन्य सब्जियों पर भी इसका असर पड़ा है। आलम यह है कि अब लोगों ने टमाटर का विकल्प खोज लिया है। कोई तरोई तो कोई कटहल खा रहा है। यही नहीं, होटलों की डिश से भी टमाटर गायब हो गया है। गौरीगंज के सब्जी विक्रेता मोहम्मद आजम राइन का कहना है कि 25 जून को अकेले गौरीगंज में 250 कैरेट टमाटर की मांग थी। एक कैरेट में 28 किलो आता है। इस हिसाब से 70 क्विंटल टमाटर की खपत थी। अब इसमें काफी कमी आई है। वर्तमान में महज 10 से 15 कैरेट टमाटर यानी करीब 5 क्विंटल की ही खपत है। ऐसे में बड़ी समस्या आ रही है। जायस मंडी की बात करें तो आलू की डिमांड में भी कमी आई है। पहले करीब 500 क्विंटल आलू की मांग थी। यह मात्र 90 क्विंटल तक ही सीमित है। वजह यह है कि अब लोग ऐसी सब्जी खोज रहे हैं, जिसमें टमाटर की आवश्यकता ही न पड़े। महंगाई पर नियंत्रण को लेकर सरकार हो गंभीर गौरीगंज के धर्मेंद्र शुक्ला का कहना है कि आम आदमी महंगाई की मार से जूझ रहा है। महंगाई से निजात दिलाने को लेकर ठोस रणनीति बनाए जाने की जरूरत है। सौरभ तिवारी ने कहा कि एक माह पहले जो रेट था, उससे करीब दोगुना की वृद्धि सब्जियों के दाम में हो गई है। सभी के दाम आसमान छू रहे हैं। बृजेश कुमार मिश्र ने कहा कि अब सब्जी की बढ़ी कीमत ने बजट बिगाड़ दिया है। मंडी से महंगी कीमत पर सब्जियां बाजार में बिक रही हैं। अगर स्थानीय स्तर पर ही प्रयास किया जाए तो लोगों को महंगाई से निजात मिल सकती है। श्रीनाथ शुक्ला ने कहा कि महंगाई के चलते दाल और सब्जी खरीदना मुश्किल हो गया है। जिस हिसाब से महंगाई बढ़ रही है गरीब परिवार का गुजारा नहीं हो पाएगा।

धनबाद से तांबरम के बीच चलेगी अनारक्षित स्पेशल

चंदौली। दक्षिण भारत की ओर जाने की ट्रेनों में भीड़ को देखते हुए रेलवे धनबाद और चेन्नई के तांबरम के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाएगा। रक्सौल और सिकंदराबाद के बीच पीडीडीयू जंक्शन होते हुए एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि तांबरम-धनबाद अनारक्षित स्पेशल सात जुलाई को तांबरम से रात दस बजे खुलेगी। यह रविवार की रात 22.20 बजे पीडीडीयू जंक्शन और सोमवार की भोर में 5.30 बजे धनबाद पहुंचेगी। वापसी में धनबाद से 11 जुलाई की शाम 15.35 बजे खुलकर गया होती हुए रात 21.15 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन ओर बृहस्पतिवार की रात 22.00 बजे तांबरम पहुंचेगी। सिकंदराबाद-रक्सौल स्पेशल पांच जुलाई से 26 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार को सिकंदराबाद से शाम 15.15 बजे खुलेगी। बृहस्पतिवार की रात 20.05 बजे पीडीडीयू जंक्शन और 5.55 बजे रक्सौल पहुंचेगी।

पूछताछ के बाद फिजियोथेरेपिस्ट को पुलिस ने छोड़ा

गौरीगंज (अमेठी)। स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रमाणित कराने के नाम पर शिक्षक से 35 हजार रुपये की रिश्वत लेने के मामले में पुलिस ने बुधवार को यूटर्न ले लिया है। मुकदमा दर्ज करने के बाद फिजियोथेरेपिस्ट को हिरासत में लेने वाली पुलिस ने मंगलवार देरशाम पूछताछ के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधिकारी इस मामले में साक्ष्य संकलन की बात कहकर पीछा छुड़ा ले रहे हैं। हालांकि प्रकरण की विभागीय जांच चल रही है। अंतर जनपदीय स्थानांतरण प्रक्रिया में भारांक हासिल के लिए बाजारशुकुल के प्राथमिक स्कूल, काजीपुर में कार्यरत मुरादाबाद निवासी शिक्षक तैय्यब खान ने पत्नी हनीफा बेगम के हृदय रोग से ग्रसित होने के प्रमाण पत्र लगाया था। कहा गया कि बीमारी के प्रमाणपत्र का सीएमओ से काउंटर होना जरूरी है। इसी दौरान उसकी मुलाकात विभाग के फिजियोथेरेपिस्ट से हुई। उन्होंने इस काम के लिए 35 हजार रुपये लिए। बाद में उसे सीएमओ का काउंटर साइन किया प्रमाणपत्र दे दिया। विभाग ने जब इसका सत्यापन कराया तो सीएमओ ने अपना हस्ताक्षर होने से ही मना कर दिया। विभाग ने नोटिस जारी किया तो मामले का धांधली का खुलासा हुआ। मंगलवार को शिक्षक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर फिजियोथेरेपिस्ट संतोष सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने फिजियोथेरेपिस्ट को हिरासत में ले लिया था। देरशाम को पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। सीओ मयंक द्विवेदी का कहना है कि प्रकरण की जांच चल रही है। साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है। इससे अधिक वह कुछ भी बताने को तैयार नहीं हुए। चार अन्य शिक्षक के भी प्रमाण पत्र मिले फर्जी अंतर जनपदीय स्थानांतरण के लिए शिक्षकों की ओर असाध्य रोग से स्वयं या परिजनों के ग्रसित होने का प्रमाण पत्र लगाया था। असाध्य रोग प्रमाण पत्र सीएमओ से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के नाम पर बेसिक शिक्षा विभाग में जमकर खेल हुआ। आवेदनों की जांच के बाद पांच शिक्षकों के प्रमाण पत्र फर्जी होने की पुष्टि हुई। पुष्टि के नोटिस जारी हुई तो फर्जी प्रमाण पत्र व प्रतिहस्ताक्षरित कराने का राजफाश हुआ। पांच में दो हो चुका तबादला अंतर जनपदीय आवेदन के बाद फर्जी असाध्य रोग ग्रसित होने का प्रमाण पत्र लगाने वाले पांच में से दो शिक्षकों का तबादला भी हो चुका है। हालांकि विभाग ने दोनों शिक्षकों के रिलीविंग पर रोक लगा दी है। मामले में सचिव से मार्गदर्शन मांगा है। सचिव का निर्देश मिलने के बाद शिक्षा विभाग नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बीएसए कार्यालय पहुंच सीओ ने की जांचविवेचक सीओ मंयक द्विवेदी बुधवार को बीएसए दफ्तर पहुंचे। कार्यालय में मौजूद कर्मियों के बयान दर्ज करने के साथ अंतर जनपदीय स्थानांतरण आवेदन में लगे असाध्य रोग प्रमाण पत्र व प्रतिहस्ताक्षरित प्रमाण पत्र की छायाप्रति भी हासिल की। इसके अतिरिक्त सीओ ने सीएमओ कार्यालय से जारी असाध्य रोग प्रमाण पत्र की सत्यता का परीक्षण करते हुए साक्ष्य संकलित किया।

संक्षिप्त समाचार

दरोगा सिपाही पर फिदा, पत्नी पहुंची एसपी के पास

चंदौली। लखनऊ के रेडियो मुख्यालय में तैनात दरोगा थाने में तैनात एक महिला कांस्टेबल पर फिदा हो गया है। उसकी पत्नी ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल से अपनी गृहस्थी बचाने की गुहार लगाई। कहा कि कांस्टेबल उनके पति आर्थिक और शारीरिक शोषण कर रही है। एसपी ने जांच कराने का आश्वासन दिया। लखनऊ के रेडियो मुख्यालय में तैनात सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने एसपी को बताया कि थाने में तैनात एक महिला हेड कांस्टेबल ने 15 साल से उनके पति को अपने प्रेम पाश में फंसा रखा है। इससे उनके परिवार में कलह का माहौल है। बच्चे और वह मानसिक तनाव की स्थति से गुजर रहे हैं। एसआई की पत्नी ने बताया कि वह पिछले कई साल से वाराणसी में बच्चों के साथ रह रही है। पुलिस विभाग में तैनात तलाकशुदा महिला कांस्टेबल ने उनके पति से नजदिकियां बढ़ा लीं। बाद में आर्थिक और शारीरिक शोषण करने लगी। परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया पर दबंग प्रवृत्ति की कांस्टेबल ने उनके परिवार के सदस्यों को फोन पर धमकी देनी शुरू कर दी। इससे परिवार के लोग काफी सदमे में है। एसपी ने जल्द मामले की जांच कराने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

आईजीआरएस समाधान में चंदौली प्रदेश में अव्वल

चंदौली। ऑनलाइन शिकायतों (आईजीआरएस) को समाधान में चंदौली को प्रदेश में पहला स्थान मिला है। चंदौली कोतवाली में सर्वाधिक 39 मामलों का समय से निस्तारण किया गया। सैयदराजा, शहाबगंज और महिला थाने को संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला है। सैयदराजा में 21, शहाबगंज में 20 और महिला थाने में पांच मामलों का निस्तारण किया गया है। नौगढ़, बबुरी, चकरघट्टा थाने को प्रदेश में 902वां और धानापुर, इलिया व सकलडीहा कोतवाली को 1041वां स्थान मिला है। अलीनगर थाना को 1140, कंदवा और मुगलसराय को 1216 और चकिया तथा बलुआ को 1278 स्थान मिला है। धीना थाना 1442 वें स्थान पर है। मुगलसराय थान में सर्वाधिर 39, सैयदराजा में 21, महिला थाना में पांच, शहाबगंज में 20 लोगों ने ऑनलाइन शिकायत आईं जबकि नौगढ़ में नौ, बबुरी में 15, धानापुर में 18, इलिया में चार, सकलडीहा में 27, अलीनगर में 43, मुगलसराय में 44, कंदवा में 22, चकिया में 41, बलुआ में 28 और धीना में छह मामले पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुए। चकरघट्टा में किसी ने कोई शिकायत नहीं की। एसपी अंकुर अग्रवाल ने कहा कि लापरवाह थानेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी।

माकपा ने उपकेंद्र पर किया प्रदर्शन

चंदौली। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन को निजी हाथों में सौंपने और अन्य अनियमितताओं एवं सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में बुधवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकताओं ने चकिया विद्युत उपकेंद्र पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने उपखंड अधिकारी अनिल सिंह को ज्ञापन सौंपा । मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की प्रदेश इकाई के निर्णय के अनुसार बुधवार को माकपा कार्यकताओं ने नगर में जुलूस निकाला और विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान नेताओं ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन का निजीकरण करने पर उतारू है। निजीकरण के विरोध में हड़ताल करने वाले विद्युत संविदा कर्मियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। वहीं की किसानों को सिंचाई के लिए निशुल्क बिजली नहीं मिल रही है । मीटर लगाने में सुविधा शुल्क की मांग की जा रही है और जर्जर तारों को बदलने में अनियमितता हो रही है। जिससे प्रदेश का आम उपभोक्ता परेशान है। वक्ताओं ने कहा कि आम उपभोक्ता को अन्य राज्यों की तरह 300 यूनिट फ्री बिजली देने की जरूरत है। प्रदर्शन के दौरान शंभू नाथ सिंह, लालचंद यादव, परमानंद मौर्य, राम दुलार, वनवासी, भृगुनाथ विश्वकर्मा, राजेंद्र यादव, फूला देवी, डेंगरा देवी सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीएसए ने ली क्लास, कक्षा तीन की छात्रा नहीं पढ़ पाई हिंदी

गाजीपुर। परिषदीय विद्यालय के बच्चों की उपस्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। यही नहीं विद्यालयों में साफ-सफाई की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। बीएसए हेमंत राव की ओर से किए जा रहे निरीक्षण में यह स्थिति सामने आ रही है। यही नहीं, शिक्षण कार्य के गुणवत्ता में भी सुधार नहीं हो रहा है। बुधवार को प्राथमिक विद्यालय रजदेपुर देहाती के निरीक्षण के दौरान बीएसए ने क्लास भी ली। इस दौरान पाया कि कक्षा-तीन की एक छात्रा पंखुड़ी शब्द नहीं पढ़ पाई। जबकि कक्षा चार का छात्र भिन्न का सवाल हल नहीं कर पाया। बीएसए ने इसपर नाराजगी व्यक्त की। छात्रों का निम्न अधिगम स्तर पाए जाने के संबंध में विद्यालय के सभी कार्मिकों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए सभी स्टाफ से स्पष्टीकरण मांगा। खंड शिक्षा अधिकारी सदर को निर्देश दिया की विद्यालय के बच्चों के अधिगम स्तर में वृद्धि करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कंपोजिट विद्यालय बिंदवलिया के निरीक्षण के दौरान एक प्रधानाध्यापक एवं 10 सहायक अध्यापक के सापेक्ष तीन अध्यापकों की ड्यूटी डीएलएड परीक्षा में लगाई गई थी। हेडमास्टर मेडिकल पर थीं। यहां नामांकित 213 के सापेक्ष 105 बच्चे उपस्थित थे। विद्यालय परिसर में साफ-सफाई का अभाव था। दूध का वितरण नहीं किया गया था। इसके संबंध में प्रधानाध्यापक को स्पष्टीकरण जारी किया गया। प्रा.वि. पीथापुर के निरीक्षण में 48 के सापेक्ष 35 बच्चे उपस्थित थे। विद्यालय परिसर में साफ-सफाई का अभाव था। दूध का वितरण नहीं किया गया था। इसके संबंध में प्रधानाध्यापक को स्पष्टीकरण जारी किया गया।

ट्रैक पर फंसी बाइक, हादसे से बची बुंदेलखंड एक्सप्रेस

भदोही। उत्तर रेलवे के जंघई-वाराणसी रेल खंड पर सरायकंसराय गांव के सामने रेलवे ट्रैक पर फंसी बाइक से टक्कर हो जाने के कारण बुंदेलखंड एक्सप्रेस ट्रेन को आठ मिनट तक रोकना पड़ा। टक्कर के कारण बाइक में आग लग गई। सवार बाइक छोड़ फरार हो गया। आरपीएफ फरार बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश कर रही है। उत्तर रेलवे के जंघई-वाराणसी रेलखंड पर सरायकंराय गांव के सामने रेलवे ट्रैक फाटक विहीन है। बुधवार की सुबह 10.30 बजे एक व्यापारी मुर्गा से भरे झाबा को बाइक पर बांधकर रेलवे लाइन पार कर रहा था। इस दौरान उसकी बाइक ट्रैक पर फंस गई। इसी बीच बुंदेलखंड एक्सप्रेस आ गई। जान बचाने के लिए चालक ट्रैक पर ही बाइक छोड़ फरार हो गया। चालक दल जब तक इमरजेंसी ब्रेक लगाते तब तक बाइक चपेट में आ गई और ट्रैक पर रगड़ खाने से बाइक में आग लग गई। लोगों ने इसकी सूचना आरपीएफ जंघई को दे दी।